TNF TODAY

# टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | डंपर की टक्कर से सात माह के मासूम की मौत.. (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 25.11.2026

## शरजील-उमर को मिलेगी जमानत?

सुप्रीम कोर्ट में मामले पर आज होगी सुनवाई, पिछले छह साल से जेल में बंद हैं दोनों




❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

साल 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में जेल में बंद शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिकाओं पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। दोनों ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। दोनों की मांग है कि उन्हें लंबे समय से जेल में रहने और मुकदमे की सुनवाई शुरू न होने के आधार पर जमानत दी जाए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची व वी. मोहना की पीठ इस मामले पर सुनवाई कर सकती है।

### इमाम की याचिका में क्या कहा गया?

शरजील इमाम ने अपनी याचिका में बताया है कि 25 सितंबर 2020 को इस मामले में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। इसमें कुल 18 लोगों पर मुकदमा चल रहा है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में 900 से ज्यादा गवाहों की सूची दी है, जिनमें 47 संरक्षित गवाह हैं। इमाम का कहना है कि करीब छह साल नौ महीने से विचाराधीन कैदी के तौर पर जेल में रहने के बावजूद अभियोजन पक्ष एक भी गवाह से पूछताछ नहीं कर पाया है।

### उमर खालिद ने संविधान के अनुच्छेद 21 का दिया हवाला

उमर खालिद ने भी अपनी याचिका में मुकदमे में हो रही देरी का मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि संरक्षित गवाहों से पूछताछ पूरी नहीं हुई है और सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय एक साल की अवधि भी खत्म होने वाली है। इसके बाद भी उन्हें जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन होगा।

### गवाहों से पूछताछ नहीं होने का दिया हवाला

शरजील इमाम और उमर खालिद ने अपनी याचिकाओं में कहा है कि अभियोजन पक्ष अब तक संरक्षित गवाहों से पूछताछ नहीं कर पाया है। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले जमानत के लिए एक साल की समय-सीमा तय की थी, जो अब पूरी होने वाली है। ऐसे में उन्हें लगातार जेल में रखना ठीक नहीं है। दोनों का तर्क है कि जब मुकदमे की सुनवाई ही आगे नहीं बढ़ रही तो उन्हें अनिश्चित समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए।

### 'यूपी चुनाव में नहीं उतरेगी सीजेपी'

**मुंबई।** उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने साफ कर दिया है कि वह न तो चुनाव लड़ेगी और न ही किसी राजनीतिक दल का समर्थन करेगी। पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके ने मंगलवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव जाति और धर्म के बजाय युवाओं से जुड़े मुद्दों पर होना चाहिए। उनका जोर रोजगार, अच्छी शिक्षा और युवाओं के भविष्य पर है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कब तक चुनाव जाति और धर्म के नाम पर लड़े जाते रहेंगे।

अभिजीत दिपके ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की चुनावी लड़ाई में शामिल नहीं होगी। सीजेपी किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन या समर्थन का ऐलान नहीं करेगी। पार्टी का यह भी कहना है कि वह इस बहस में नहीं पड़ेगी कि उत्तर प्रदेश में अगली सरकार किसकी बननी चाहिए। दिपके ने छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पार्टी चुनाव से दूर रहकर राष्ट्रीय राजनीति में युवाओं के मुद्दों को प्रमुखता देने की मांग कर रही है।

दिपके ने कहा कि चुनाव में बार-बार जाति और धर्म की चर्चा होती है, जबकि युवाओं के असली सवाल पीछे छूट जाते हैं।

## कल जारी होगा सपा का घोषणापत्र



❍ एजेंसी, लखनऊ।

विधानसभा चुनाव में दोबारा सत्ता हासिल करने को पसीना बहा रही समाजवादी पार्टी अपने घोषणापत्र के जरिए पीडीए समीकरण को आर्थिक भरोसे में बदलने की कोशिश करेंगी। इस समीकरण के विस्तार के साथ हर वर्ग को जोड़ने के लिए वादों का पिटारा खोला जाएगा।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को यह घोषणापत्र जारी करेंगे, जिसे 'जन-मन का मैनिफेस्टो' नाम दिया है। सपा प्रत्येक जिले के लिए अलग घोषणापत्र भी तैयार रही है। इसके साथ महिलाओं के लिए अलग से घोषणापत्र बनने की भी बात कही जा रही है। इनको बाद में जारी किए जाने की संभावना है।

सपा ने वर्ष 2012 में बहुमत की सरकार बनाई थी, परंतु इसके बाद लगातार दो विधानसभा चुनाव से भाजपा के हाथों उसे पराजय का सामना करना पड़ा। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में 37 सीटों पर जीत और हाल के विधान परिषद चुनाव में पांच सीटों पर जीत के बाद पार्टी का उत्साह बढ़ा हुआ है।

### महापुरुषों की प्रतिमा स्थापना करने की घोषणा

**वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सपा प्रमुख द्वारा पिछले कुछ माह में 20 से अधिक वादे किए गए हैं, जिनमें स्त्री समृद्धि सम्मान योजना, महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देने, गन्ना किसानों को 24 घंटे में भुगतान, आउटसोर्सिंग खत्म कर पक्की नौकरी देने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने आदि वादे शामिल हैं। इनके अलावा गोमती रिवरफ्रंट पर बहुत से महापुरुषों की प्रतिमा स्थापना की भी घोषणा की है।**

**पार्टी सूत्रों के मुताबिक अब चुनावी घोषणापत्र सपा की रणनीति की महत्वपूर्ण कड़ी बनने जा रहा है। इसमें पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के सामाजिक समीकरण को आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और सम्मान के सवालों से जोड़ने की कोशिश होगी।**

**मकसद परंपरागत मतदाता आधार को मजबूत करने के साथ महिलाओं, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों के बीच नए भरोसे का विस्तार करना भी है। घोषणापत्र के माध्यम से अखिलेश एक तरह से भाजपा के लाभार्थी राजनीति के मुकाबले पेश करेंगे अपना कल्याणकारी माडल पेश करेंगे। सूत्रों के मुताबिक 26 नवंबर को पार्टी का केंद्रीय घोषणापत्र जारी किया जाएगा। सपा ने घोषणापत्र जारी करने के लिए 26 नवंबर संविधान दिवस का चयन भी रणनीति के तहत किया है। सपा लगातार संविधान, आरक्षण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भाजपा को घेरती रही है। इस तारीख को घोषणापत्र जारी कर सपा अपने नैरेटिव को और आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। अब निगाहें इस पर होंगी कि पीडीए की राजनीतिक अवधारणा को सपा किन ठोस नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और रोजगार संबंधी वादों में बदलती है।**

## बीजेपी-अकाली दल फिर आए साथ, 2027 के लिए गठबंधन का ऐलान

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

आम आदमी पार्टी की सरकार को सत्ता से हटाने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही नशे के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रही हैं। वहीं, पंजाब की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की अहम भूमिका को देखते हुए राष्ट्रीय पार्टियां भी नए राजनीतिक समीकरण बनाने में जुटी हैं।

इसी कड़ी में बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) के बीच एक बार फिर गठबंधन की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। दोनों दल 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए अपने गठबंधन का औपचारिक ऐलान कर दिया हैं।

### नितिन नबीन और सुखबीर बादल ने किया गठबंधन का ऐलान

गठबंधन को लेकर कई महीनों से दोनों दलों के बीच बातचीत चल रही थी। अब बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन पर मुहर लगा दिए हैं।

इस महत्वपूर्ण घोषणा के लिए पंजाब बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं




को दिल्ली बुलाया गया। इनमें प्रदेश इकाई के प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और अश्वनी कुमार सहित अन्य नेता शामिल रहे।

### 2020 में कृषि कानूनों के विरोध के बाद टूटा था गठबंधन

बीजेपी और अकाली दल का गठबंधन पंजाब की राजनीति में लंबे समय तक महत्वपूर्ण रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान दोनों दलों के रिश्तों में दरार आ गई थी।

सितंबर 2020 में शिरोमणि अकाली दल ने कृषि कानूनों के विरोध में बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद दोनों पार्टियों के रास्ते अलग हो गए। अब करीब छह साल बाद दोनों दल एक बार फिर साथ आने की तैयारी में हैं।

### अमित शाह ने भी दिए थे गठबंधन के संकेत

बीजेपी और अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पहले संकेत दे चुके थे। उन्होंने पंजाब में एनडीए की सरकार बनने का भरोसा जताया था। इसके बाद से दोनों दलों के बीच नजदीकियां बढ़ने और गठबंधन की संभावनाओं को लेकर राजनीतिक चचाएं तेज हो गई थीं।

इस गठबंधन का ऐलान ऐसे समय किया जा गया है, जब आज गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। पंजाब की राजनीति में धार्मिक और सामाजिक समीकरणों का विशेष महत्व है। ऐसे में गठबंधन की घोषणा के समय को भी राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि बीजेपी और अकाली दल के दोबारा साथ आने से पंजाब में 2027 के चुनाव का मुकाबला कितना बदलता है और सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों दल क्या फॉर्मूला अपनाते हैं।

## अकाली दल की एनडीए में वापसी पर पीएम मोदी बोले- पंजाबियों का कल्याण प्राथमिकता, गठबंधन को वाजपेयी-आडवाणी ने सींचा



❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गठबंधन की प्राथमिकता पंजाब और पंजाब के लोगों का कल्याण है।

खास बात यह है कि अकाली दल की वापसी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर हुई है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'पंजाब और पंजाबियों का कल्याण सबसे पहले! मुझे बेहद खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल एनडीए परिवार में लौट आया है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर।'

### पीएम मोदी ने और क्या-क्या कहा?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन स्वाभाविक है। यह पंजाब में जनहितकारी शासन सुनिश्चित करने और राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेगा। उन्होंने इस गठबंधन के पुराने इतिहास का भी जिक्र किया।

### पीएम मोदी ने वाजपेयी-आडवाणी को किया याद

पीएम मोदी के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने इस साझेदारी को मजबूत बनाया और सींचा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकाली दल और भाजपा का गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों दलों की यह साझेदारी पंजाब के लोगों की पसंद बनेगी।

### दोनों दलों ने क्या फैसला किया?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात की। भाजपा मुख्यालय में हुई इस बैठक के बाद दोनों दलों ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव साथ लड़ने और एनडीए को मजबूत करने का औपचारिक संकेत दिया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि दोनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि अकाली दल आज से एनडीए का हिस्सा भी बन रहा है। शाह ने गुरु पर्व के दिन पुराने सहयोगी की वापसी को खास अवसर बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से एनडीए के विस्तार पर बातचीत के दौरान अकाली दल की वापसी का मुद्दा उठा था। इसके बाद प्रधानमंत्री ने सुखबीर बादल को फोन कर कहा कि अब एनडीए पूरा हो गया है।

### भाजपा और अकाली दल का गठबंधन 2020 में क्यों टूटा था, चुनावों में कैसा रहा प्रदर्शन?

भाजपा और अकाली दल पंजाब की राजनीति में लंबे समय तक सहयोगी रहे हैं। हालांकि, 2020 में केंद्र सरकार के तीन कृषि कानून लाने के फैसले के विरोध में अकाली दल एनडीए से अलग हो गया था। बाद में तीनों कृषि कानून वापस ले लिए गए, लेकिन दोनों दलों ने 2022 का विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ा। दोनों पार्टियों के चुनावी प्रदर्शन में भी पिछले कुछ वर्षों में गिरावट दर्ज की गई। विधानसभा चुनावों में उनकी सीटों की स्थिति इस प्रकार रही:-

**2007 का चुनाव:** अकाली दल ने 48 और भाजपा ने 19 सीटें जीती थीं। दोनों दलों की कुल सीटें 67 थीं।

**2012 का चुनाव:** अकाली दल को 56 और भाजपा को 12 सीटें मिलीं। गठबंधन ने कुल 68 सीटें हासिल कीं।

**2017 का चुनाव:** अकाली दल की सीटें घटकर 15 और भाजपा की तीन रह गईं। कांग्रेस ने 77 और आम आदमी पार्टी ने 20 सीटें जीती थीं।

**2022 का चुनाव:** अकाली दल को सिर्फ तीन और भाजपा को दो सीटें मिलीं। कांग्रेस 18 सीटों पर सिमट गई, जबकि आम आदमी पार्टी ने 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई।

## जब तक सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रहेगा, कोई ताकत भारत का बाल बांका नहीं कर पाएगी: सीएम योगी

❍ एजेंसी, लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब तक भारत सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखेगा, दुनिया की कोई ताकत उसका बाल बांका नहीं कर पाएगी। सिख गुरुओं का त्याग, तपस्या, बलिदान और उनकी आध्यात्मिक चेतना भारत की राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य धरोहर है।

गुरु नानक देव जी महाराज ने 'एक ओंकार' के माध्यम से संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में पिरोने का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उस समय थीं। हमें इन शिक्षाओं को केवल आयोजनों तक सीमित न



रखकर अपने जीवन में आत्मसात करना होगा और नई पीढ़ी को भी इनसे निरंतर परिचित कराना होगा।

### सीएम योगी ने किया संबोधित

मुख्यमंत्री मंगलवार को साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता और सौभाग्य का अवसर है कि हम सभी इतने भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व मना रहे हैं।

## लोकसभा सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव पर भड़के कपिल सिब्बल

विपक्ष को दी चेतवानी, बोले- फंसे तो नहीं बचेगा लोकतंत्र

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

देश में लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने विपक्षी दलों को चेतावनी दी है कि वे सरकार की ओर से सभी राज्यों की लोकसभा सीटें 50 प्रतिशत बढ़ाने के प्रस्ताव के झांसे में न आएं। उन्होंने दावा किया कि इस फॉर्मूले से उत्तर भारत के उन राज्यों को ज्यादा फायदा होगा, जहां भाजपा की मजबूत राजनीतिक मौजूदगी है। सिब्बल के मुताबिक, अगर विपक्षी दल इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेते हैं तो भविष्य में भाजपा को लगातार सत्ता में बने रहने का फायदा मिल सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर भाजपा अपने इस प्रयास में सफल



होती है तो देश में लोकतंत्र नहीं बचेगा।

### सरकार विपक्ष को 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव क्यों दे रही?

कपिल सिब्बल ने दावा किया कि भाजपा लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए 362 सांसदों के समर्थन का आंकड़ा जुटाने की कोशिश कर रही है। उनके मुताबिक, विपक्षी दलों को यह प्रस्ताव दिया जा रहा है कि 2027 की जनगणना और उसके आधार पर होने वाले नए परिसीमन का इंतजार करने के बजाय सभी राज्यों की मौजूदा लोकसभा सीटें 50 प्रतिशत बढ़ा दी जाएं। सिब्बल ने कहा कि इस व्यवस्था में तमिलनाडु की सीटें 39 से बढ़कर 59 और उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी। उनका तर्क है कि सीटें बढ़ने के बाद भी उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का अंतर बढ़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि इससे राजनीतिक रूप से भाजपा को फायदा होगा।

### परिसीमन को लेकर सिब्बल ने भाजपा पर क्या आरोप लगाए?

सिब्बल ने आरोप लगाया कि असम और जम्मू-कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया भाजपा के राजनीतिक हितों को ध्यान में रखकर की गई थी। उन्होंने कहा कि अगर मौजूदा प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया तो भविष्य में निर्वाचन क्षेत्रों का गठन भी राजनीतिक उद्देश्यों के हिसाब से किया जा सकता है।

उनके मुताबिक, परिसीमन आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करते हैं और परिसीमन कानून के तहत आयोग के फैसलों को चुनौती देने की गुंजाइश सीमित है।

### किन राज्यों को सीटें बढ़ने से ज्यादा फायदा मिलने का दावा किया गया?

**सिब्बल ने कहा कि प्रस्तावित फॉर्मूले से कई ऐसे राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी, जहां भाजपा की सरकार है या उसका मजबूत राजनीतिक प्रभाव है। उन्होंने कुछ राज्यों के मौजूदा और प्रस्तावित सीटों के आंकड़े भी बताए।**

- **मध्य प्रदेश में लोकसभा सीटें 29 से बढ़कर 43 हो सकती हैं।**
- **पश्चिम बंगाल में 42 से बढ़कर 63 सीटें हो सकती हैं।**
- **उत्तर प्रदेश में 80 से बढ़कर 120 सीटें हो सकती हैं।**
- **आंध्र प्रदेश में 25 से बढ़कर 37 सीटें हो सकती हैं।**
- **गुजरात में 26 से बढ़कर 39 सीटें हो सकती हैं।**
- **महाराष्ट्र में 48 से बढ़कर 72 सीटें हो सकती हैं।**
- **तमिलनाडु में 39 से बढ़कर 59 सीटें हो सकती हैं।**

**सिब्बल का कहना है कि उत्तर भारत में सीटों की संख्या बढ़ने से भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल सकता है, क्योंकि दक्षिण भारत में उसकी मौजूदगी उत्तर भारत की तुलना में कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं इस तरह तय की जा सकती हैं, जिससे विपक्षी दलों के लिए चुनाव जीतना मुश्किल हो जाए।**

### महिला आरक्षण और परिसीमन का आपस में क्या संबंध है?

सिब्बल ने जिस प्रस्ताव का जिक्र किया है, उसका संबंध महिला आरक्षण कानून को लागू करने और लोकसभा सीटों के परिसीमन से भी है। उनके मुताबिक, सरकार संविधान संशोधन के जरिए इन दोनों विषयों पर आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास लोकसभा में अपने दम पर 362 सांसदों का समर्थन नहीं है और उसे दूसरे दलों के सहयोग की जरूरत पड़ेगी। इसी वजह से विपक्षी दलों को सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। सिब्बल ने दावा किया कि अगर इस प्रक्रिया के तहत निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन हुआ तो इसका राजनीतिक असर लंबे समय तक रहेगा। उन्होंने विपक्ष से कहा कि इस मुद्दे को केवल सीटें बढ़ने के रूप में न देखें, बल्कि यह भी समझें कि इससे अलग-अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व और चुनावी मुकाबला किस तरह प्रभावित हो सकता है।

# दीवानी न्यायालय में 28 नवंबर को लगेगी विशेष लोक अदालत



टीएनएफ टुडे, आगरा।

- लंबित यातायात चालानों का होगा निस्तारण; न्यायिक मजिस्ट्रेटों की बैठक में बनी रणनीति

आगामी 28 नवंबर को दीवानी न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत की तैयारियों और लंबित यातायात चालानों के अधिकतम निस्तारण को लेकर मंगलवार को दीवानी परिसर स्थित सभागार में समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत लंबित विभिन्न यातायात चालानों–जैसे ओवरस्पीड, सीट बेल्ट, बिना हेलमेट, नो-पार्किंग और विपरीत दिशा में वाहन चलाने से जुड़े मामलों–के त्वरित और समयबद्ध निस्तारण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संबंधित न्यायालयों में लंबित पत्रावलियों को चिह्नित कर प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-प्रथम ने वाहन स्वामियों और आम नागरिकों से इस विशेष लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन वाहन स्वामियों के चालान लंबित हैं, वे 28 नवंबर से पूर्व संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर आवश्यक प्रपत्र और प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर दें। इससे उनके मामलों को लोक अदालत की सूची में शामिल कर निर्धारित तिथि पर आपसी सहमति और विधिक प्रक्रिया के तहत सुगमता से निस्तारित किया जा सकेगा।

## राजनीतिक दलों के साथ बैठक आज, जिला निर्वाचन अधिकारी करेंगे समीक्षा

**आगरा।** अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के संबंध में बुधवार, 25 नवंबर को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राजकीय राजनीतिक दलों के साथ जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11:30 बजे से होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी करेंगे।

अपर जिलाधिकारी (नगर) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग और उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ के निदेशानुसार विधानसभा स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की बैठक 24 नवंबर को और जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी की बैठक 25 नवंबर को निर्धारित की गई है।

इस क्रम में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राजकीय राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री, शहर अध्यक्ष व सचिवों को बैठक में आमंत्रित किया गया है। प्रशासन ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहकर पुनरीक्षण अभियान से जुड़े बिंदुओं पर विचार-विमर्श में शामिल होने की अपील की है।

# अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने किया आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे का निरीक्षण



- कोहरे को देखते हुए पब्लिक एड्रेस सिस्टम से वाहन चालकों को जागरूक करने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र भाटिया और मुख्य सुरक्षा अधिकारी तृतीय प्रभात कुमार अवस्थी ने लखनऊ से आगरा तक एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। इसके बाद टोल प्लाजा पर अधिकारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने निर्धारित नई गति सीमा का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कोहरे को देखते हुए पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार वाहन चालकों को जागरूक करने और एक्सप्रेसवे पर अधिक से अधिक संकेतक बोर्ड लगाने को कहा। साथ ही टूटी हुई एमबीसीबी, जाली और फेंसिंग की तत्काल मरम्मत कराने तथा टोल प्लाजा की सभी लेन चालू रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने रखरखाव और टोल वसूली से जुड़ी कंपनियों के कार्यों की समीक्षा की। सड़क सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया। निरीक्षण के दौरान टोल कलेक्शन कंपनी एसएसडी के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद धनगर ने शैलेंद्र भाटिया को राधा-कृष्ण का पटका भेंटकर स्वागत किया। वहीं मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रथम आरएन सिंह के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों और पुलिसकर्मियों ने सलामी दी।

इस अवसर पर मुख्य सुरक्षा अधिकारी तृतीय पीके अवस्थी, सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी, एसपी सिंह, राजेश तिवारी, प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद धनगर, यूपीडा के एई राहुल और दीपांकल, शिवाकांत चौधरी तथा एटलस के सेफ्टी मैनेजर अखिलेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# मंदिर की जमीन के विवाद में घायल अधेड़ की सात माह बाद मौत

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।



थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना में विगत 4 अप्रैल को मंदिर की जमीन को खाली करने को लेकर हुई दो पक्षों में मारपीट में घायल युवक की सात माह बाद घर पर इलाज के दौरान मौत हो गई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना निवासी श्यामवीर पुत्र गंधर्व सिंह ने बताया कि विगत 9 अप्रैल 2026 को मंदिर की जमीन को खाली करने को लेकर गांव के ही अमर सिंह पुत्र राधाचरण पक्ष से मारपीट हुई थी। जिसमें ताऊ मोहन सिंह पुत्र शोभाराम उम्र 55 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। और वह कौमा में थे। वहीं श्यामवीर ने बताया कि 8 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें पुलिस 7 लोगों को पहले जेल भेज चुकी है। वहीं मोहन सिंह कौमा में थे। जिनका घर पर इलाज चल रहा था। सोमवार की 6:00 बजे के करीब उनकी मौत हो गई वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के चार पुत्र हैं। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र का कहना है कि मारपीट में घायल युवक की साढ़े सात माह बाद मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है।

## मंदिर की जमीन के विवाद में घायल अधेड़ की सात माह बाद मौत

**फतेहाबाद।** थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना में विगत 4 अप्रैल को मंदिर की जमीन को खाली करने को लेकर हुई दो पक्षों में मारपीट में घायल युवक की सात माह बाद घर पर इलाज के दौरान मौत हो गई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बरना निवासी श्यामवीर पुत्र गंधर्व सिंह ने बताया कि विगत 9 अप्रैल 2026 को मंदिर की जमीन को खाली करने को लेकर गांव के ही अमर सिंह पुत्र राधाचरण पक्ष से मारपीट हुई थी। जिसमें ताऊ मोहन सिंह पुत्र शोभाराम उम्र 55 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। और वह कौमा में थे। वहीं श्यामवीर ने बताया कि 8 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें पुलिस 7 लोगों को पहले जेल भेज चुकी है। वहीं मोहन सिंह कौमा में थे। जिनका घर पर इलाज चल रहा था। सोमवार की 6:00 बजे के करीब उनकी मौत हो गई वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के चार पुत्र हैं। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र का कहना है कि मारपीट में घायल युवक की साढ़े सात माह बाद मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है।

## निबोहरा क्षेत्र के दो गांवों में चोरी

**फतेहाबाद।** थाना निबोहरा क्षेत्र के दो गांवों में चोरों ने चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। रामगढ़ गांव में बाड़े में बंधी दो बकरियां चोरी कर लीं, जबकि सलेमपुर धनगर गांव में ट्रैक्टर से डीजल और अन्य सामान के साथ एक बकरा चोरी कर लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव रामगढ़ निवासी जितेंद्र पुत्र मोगाराम ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब चार बजे उसकी पत्नी उठी और बाड़े में बंधी बकरियों को देखने पहुंची। वहां दोनों बकरियां गायब मिलीं। पत्नी ने इसकी जानकारी जितेंद्र को दी। काफी तलाश करने के बाद भी बकरियों का पता नहीं चला। जितेंद्र के अनुसार, चोरी हुई दोनों बकरियों की कीमत करीब 15-15 हजार रुपये थी।

वहीं, दूसरी घटना गांव सलेमपुर धनगर की है। यहां महावीर सिंह पुत्र मोहन सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह वह ट्रैक्टर लेकर जाने की तैयारी कर रहा था। इस दौरान जांच करने पर ट्रैक्टर से करीब 40 लीटर डीजल, एक हुक, एक पटली और एक बकरा गायब मिला। प्रभारी निरीक्षक निबोहरा बृजेश कुमार गौतम से बात करने पर बताया कि दोनों घटनाओं के संबंध में थाने पर कोई सूचना नहीं मिली है।

# साहित्य विमर्श एवं नागरिक अभिनंदन समारोह 29 नवम्बर को, माधुर्य संस्था ने पोस्टर किया जारी



टीएनएफ टुडे, आगरा।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था माधुर्य द्वारा आगरा के वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. जयसिंह नीरद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित भव्य कार्यक्रम ह्लडॉ. जयसिंह नीरद, एक नामः विविध आयाम - साहित्य विमर्श एवं नागरिक अभिनंदन समारोहह्व का आयोजन 29 नवम्बर, रविवार को दोपहर 1 बजे से खंदारी स्थित सेठ परमचंद जैन इंस्टीट्यूट में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में डॉ. नीरद की विभिन्न साहित्यिक कृतियों का अनुशीलन करते हुए देश-प्रदेश के विद्वान साहित्यकार उनका विवेचन करेंगे और अपने व्याख्यान देंगे। साथ ही उनके उपन्यास ह्यनरक के सींगह्न पर आधारित नाटक का शहर के रंगकर्मियों द्वारा मंचन होगा। उनके व्यक्तित्व-कृतित्व पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी होगा। डॉ. नीरद की चार नवीन कृतियों का लोकार्पण भी होगा।इस अवसर पर विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं द्वारा साहित्य क्षेत्र में उनके योगदान पर उनका नागरिक अभिनंदन भी किया जाएगा।

यह जानकारी मंगलवार को माधुर्य के राजदीप एंक्लेव फेस टू, दयालबाग स्थित कार्यालय पर संस्था की संस्थापक अध्यक्ष निशिराज, संरक्षक डॉ. राजेंद्र मिलन, संरक्षक आदर्श नंदन गुप्ता, सचिव सुधा वर्मा, कोषाध्यक्ष राजकुमार जैन और दुर्गेश पांडेय ने प्रदान की। इस अवसर पर जन जागरूकता की दृष्टि से सभी ने मिलकर समारोह के पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस दौरान रचनाकार डॉ. जयसिंह नीरद, रंगकर्मी पीयूष जैन, गिरधारी लाल शर्मा, संदीप अरोड़ा और कुमार ललित सहित संस्था के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संस्था ने सभी साहित्यप्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर समारोह को सफल बनाने का आह्वान किया।

## कोचिंग सेंटर की मान्यता पर चल रहै स्कूल पर कोई कार्रवाई नहीं

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

- एबीएसए के सामने शिकायत कताओं से की मारपीट
- तत्कालीन एबीएसए ने पाया था अवैध संचालन

कोचिंग सेंटर की मान्यता पर अवैध तरीके से स्कूल संचालित होने की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद शिकायत कताओं के साथ एबीएसए के सामने ही मारपीट की गयी। किन्तु स्कूल संचालन आज भी बदस्तूर चल? रहा है।

थाना पिढौरा क्षेत्र के गांव बरपुरा छूट स्थित होली पब्लिक स्कूल की मुख्यमंत्री पोर्टल पर संदीप सिंह निवासी गंजनपुरा ने 25 सितम्बर को शिकायत की थी। कि यह विद्यालय कोचिंग सेंटर के लाइसेंस पर चल रहा है।?जिसकी जांच कराई जाए। मामले की जांच करने पहुंचे तत्कालीन एबीएसए पिनाहट महेश पटेल 16 नवम्बर को स्कूल पहुंचे थे।?जहां शिकायत कर्ता संदीप और रनवीर सिंह के साथ एबीएसए के सामने ही संचालक जय कुमार के बेटे आशीष और बेटी काजल ने सिर पर हमला कर दोनों को घायल कर दिया था।?जिसमे थाना पिढौरा में तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो चुका है। उस समय एबीएसए ने जांच के दौरान स्कूल अवैध संचालित होने की बात स्वीकारी थी। साथ ही उच्चाधिकारियों से शिकायत करने और जुमार्ना लगाने को भी कहा था। किन्तु मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत और शिकायत कताओं से मारपीट इतना सब होने के बाद भी स्कूल एक दिन के लिए भी बंद नहीं हुआ है। जब संचालन अवैध तरीके से हो रहा है तो अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं होने से शिक्षा विभाग पर लोग तरह तरह से प्रश्न उठा रहै है। साथ ही समूचे क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

## बल्केश्वर पार्क में 28 नवंबर से सजेगा 'खादी एवं ग्रामोद्योग महोत्सव',

**आगरा।** उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में आगामी 28 नवंबर से 7 दिसंबर तक बल्केश्वर पार्क में भव्य 'खादी एवं ग्रामोद्योग महोत्सवझ्र2026' का आयोजन किया जाएगा। दस दिवसीय इस महोत्सव का विधिवत शुभारंभ केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल की उपस्थिति में होगा।

महोत्सव में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए उत्कृष्ट शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा निर्मित खादी वस्त्रों और ग्रामोद्योग उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यहां शहरवासियों को एक ही छत के नीचे शुद्ध खादी के परिधान, पारंपरिक हस्तशिल्प, ग्रामोद्योग उत्पाद और घरेलू उपयोग की वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना, शिल्पकारों को सीधा बाजार उपलब्ध कराना और आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करना है।

प्रदर्शनी के साथ-साथ महोत्सव में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रहेगी। आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में खादी फैशन शो, भजन संध्या, संगीत संध्या, मयूर नृत्य सहित ब्रज की लोक संस्कृति और शिवमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं। आयोजकों ने जनपदवासियों से सपरिवार महोत्सव में पहुंचकर खरीदारी करने और स्थानीय शिल्पकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

# जिला स्तरीय जम्पबॉल प्रतियोगिता में विजेता टीमों को शील्ड देकर किया सम्मानित

## बालक एवं बालिका वर्ग की आठ टीमों ने लिया भाग, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

टीएनएफ टुडे, सैंया।




जम्पबॉल एसोसिएशन ऑफ आगरा के तत्वावधान में सैंया स्थित हर्ष एकेडमी के मैदान पर आयोजित जिला स्तरीय जम्पबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथि खेरागढ़ क्षेत्र के पूर्व विधायक महेश गोयल ने शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग की कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में शौर्यवीर इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सेंट गोपाल पब्लिक स्कूल की टीम उपविजेता रही। वहीं बालिका वर्ग में सेंट गोपाल पब्लिक स्कूल की टीम विजेता और हर्ष एकेडमी की टीम उपविजेता घोषित की गई।

मुख्य अतिथि महेश गोयल ने खिलाड़ियों को शील्ड प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। विजेता एवं उपविजेता टीमों को हार्दिक बधाई एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी ल

प्रतियोगिता में जावेद खान, सिद्दीकी शकीना एवं राजेश ने निर्णायक की भूमिका निभाई।



## थाना डौकी क्षेत्र में ट्यूबवेल के केबल और ट्रांसफार्मरों से कॉपर चोरी

**फतेहाबाद।** थाना डौकी क्षेत्र में ट्यूबवेल के केबल और ट्रांसफार्मर से कॉपर चोरी पुलिस जांच जुटी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना डौकी के कोलारा कलां गांव के पास लगे हर्षित तोमर के ट्यूबेल से चोरों के द्वारा विद्युत ट्रांसफार्मर को नीचे गिराकर कॉपर चोरी कर लिया गया है जहां विद्युत ट्रांसफार्मर के पास एक बैग मिला है जिसमें कपड़े भरे हुए थे चोरी की जानकारी हर्षित तोमर के द्वारा थाना डौकी पुलिस को दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। वहीं पूठा झील में किसान सचिन के ट्यूबवेल की केबल चोरी कर ले गए हैं वहीं आसपास के गांव में खेतों पर लगे विद्युत ट्यूवेलों से चोरों के द्वारा आए दिन विद्युत केबिलों को चोरी किया जा रहा है जिससे किसान परेशान है। एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद का कहना है कि मामलों की जांच की जा रही है। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## चिकित्सक को दिखाने जा रहे दंपति को टैंकर ने कुचला

आगरा। चिकित्सक को दिखाने के लिए जा रहे एक दंपति को तेज रफ्तार टैंकर ने कुचल दिया। इस भीषण सड़क हादसे में पति और पत्नी दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दुर्घटना के बाद चालक टैंकर सहित मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दंपति उपचार के सिलसिले में चिकित्सक के पास जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक अनियंत्रित टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी गंभीर थी कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही दोनों की जान चली गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई व पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फरार टैंकर चालक की तलाश की जा रही है और दुर्घटना के कारणों व परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

# ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, सुबह सड़क पर मिला शव

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गाँव पूठगांव में सोमवार की रात ट्रक की टक्कर से युवक की मौत हो गई घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिशुपाल पुत्र छोटेलाल उम्र 32 वर्ष निवासी पूठगांव थाना फतेहाबाद सोमवार की रात दस बजे के करीब फतेहाबाद से अपने घर जा रहे थे। तभी गाँव के रास्ते पर पैदल घर जा रहे थे। तभी ट्रक ने टक्कर मार दी।लेकिन किसी को कोई जानकारी नहीं हुई। मंगलवार सुबह सात बजे के करीब ग्रामीणों ने शिशुपाल को रोड पर मृत अवस्था में पड़ा मिला। जानकारी पर फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह अविवाहित था। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक को कब्जे में ले लिया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper



### पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के चौथे दिन प्रभात फेरी,

# योग और परेड का अभ्यास, सांस्कृतिक संध्या में दिखी छह राज्यों की झलक

टीएनएफ टुडे, आगरा।



पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (मध्य क्षेत्र) 2026 के चौथे दिन का शुभारंभ बिहार और झारखंड के स्वयंसेवकों द्वारा संयुक्त रूप से निकाली गई प्रभात फेरी के साथ हुआ। डॉ. राजेश कुमार मिश्र व डॉ. कुमार प्रशांत भारती के नेतृत्व में निकली प्रभात फेरी के बाद प्रोफेसर ओम हरी आर्य के मार्गदर्शन में योगाभ्यास सत्र हुआ और फिर स्वयंसेवकों ने अनुशासन के साथ परेड का अभ्यास किया। आयोजन समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी के निर्देशन में शिविर के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दिन के बौद्धिक सत्र की अध्यक्षता डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. शिव कुमार मिश्र ने की। मुख्य वक्ता 'माय भारत' के नोडल ऑफिसर डॉ. नीरज कुमार ने 'माय भारत' पोर्टल से करियर निर्माण में मिलने वाले अवसरों, अनुभवजन्य शिक्षण कार्यक्रम (एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम) और 'नशा मुक्त भारत अभियान' के महत्व पर विचार रखे। युवा अधिकारी डॉ. राजेश तिवारी ने शिविर के व्यावहारिक पहलुओं और व्यक्तित्व विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की भूमिका पर प्रकाश डाला। संचालन बिहार व झारखंड के स्वयंसेवकों ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मगध विश्वविद्यालय के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने दिया।

शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में छह राज्यों की लोकसंस्कृति की छटा बिखरी। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव ब्रजेश यादव और विशिष्ट अतिथि आईक्यूएसी सेल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर अनुपमा सिंह रहीं। स्वयंसेवकों ने लोकगीतों व पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुति दी, वहीं बिहार के स्वयंसेवकों ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' पर नुक्कड़ नाटक के जरिए सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। आयोजन में डॉ. हेमलता, अश्वनी, रोशन, कुरबान, शिवम सारस्वत, गुनगुन, लक्ष्मी, उत्कर्ष सहित छत्तीसगढ़ से डॉ. हिमानी तिवारी व डॉ. गजेंद्र सिंह, उत्तराखंड से डॉ. प्रतिभा शाह, उत्तर प्रदेश से डॉ. एफ.एन. मिश्र व एम.ए. अंसारी तथा मध्यप्रदेश से डॉ. मीना व डॉ. तपेश शामिल रहे।

# एआई नहीं सीखा तो भविष्य में पिछड़ जाएंगे टैक्स अधिवक्ता

टैक्स प्रोफेशनल्स के कामकाज में क्रांति लाएगा एआई, कार्यशाला में बताए उपयोग के तरीके

- टैक्स की दुनिया में एआई का बढ़ता दखल, अधिवक्ताओं को बदलनी होगी काम करने की शैली
- टैक्स के जटिल काम मिनटों में करेगा एआई, जीएसटी-आयकर की पेचीदगियां सुलझाएगा एआई

टीएनएफ टुडे, आगरा।




टैक्सेशन बार एसोसिएशन की ओर से वस्तु एवं सेवा कर तथा आयकर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का व्यवहारिक उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन शास्त्रीपुरम स्थित सचदेवा मिलेनियम स्कूल में किया गया। शुरूआत अध्यक्ष राजकिशोर खंडेलवाल, दिल्ली से आए मुख्य वक्ता प्रवीण शर्मा एवं विकास शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

पहले सत्र के मुख्य वक्ता प्रवीण शर्मा ने कहा कि एआई ने जीएसटी से जुड़े कार्यों को पहले की अपेक्षा अधिक सरल और सुविधाजनक बना दिया है। इसके माध्यम से जीएसटी नोटिस का जवाब तैयार करने, अपील का प्रारूप बनाने, संबंधित कानूनों एवं प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करने, जीएसटी रिटर्न का मिलान करने और ऑडिट प्रक्रिया में सहायता मिल सकती है। जीएसटी के जटिल कामों में एआई की एंट्री से मिनटों में नोटिस के जवाब और अपील तैयार होगी। इसके अलावा एआई से टैली में लेखांकन संबंधी कार्यों को भी अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता विकास शर्मा ने कहा कि आयकर के क्षेत्र में एआई के बढ़ते उपयोग ने जटिल कार्यों को काफी सरल और सुविधाजनक बना दिया है। एआई की सहायता से फेसलेस असेसमेंट की प्रक्रिया को समझने, अपील का प्रारूप तैयार करने और संबंधित मामलों में उपयोगी केस लॉ खोजने जैसे कार्य भी आसानी से किए जा सकते हैं।एआई केवल समय बचाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अधिवक्ताओं और टैक्स प्रोफेशनल्स की कार्यक्षमता बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोगी है। आने वाले समय में जो अधिवक्ता कृत्रिम बुद्धिमत्ता सीख लेगा और इसे अपने कामकाज में अपनाएगा, वही कानूनी क्षेत्र में आगे रहेगा।

अध्यक्ष राजकिशोर खंडेलवाल ने बताया कि एआई हमारा दुश्मन नहीं है, एआई हमारा भविष्य है। जो टैक्स पेशेवर आज एआई को नहीं सीखेगा, वो कल पीछे रह जाएगा। हमें इसका उपयोग सोच-समझकर, सावधानीपूर्वक और कानून के दायरे में रहकर करना चाहिए। कानून में भी जब हम एआई से तैयार कोई जवाब या दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं, तो उसके लिए प्रमाण (प्रूफ) की आवश्यकता होती है। इसलिए एआई को अपना सहायक बनाएं, मालिक नहीं।

**कार्यशाला में सरल भाषा में मिले जटिल जवाब**

दोनों सत्रों में सदस्यों ने बहुत रुचि दिखाई और अपने जटिल सवाल पूछे, जिनका दोनों वक्ताओं ने बहुत ही सरल भाषा में जवाब दिया। सभी में एआई सीखने की जबरदस्त जिज्ञासा दिखाई दी। संचालन सचिव (जी.एस.टी.) संचिता अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार सचदेवा, अनिल वर्मा, सुभाष अग्रवाल, अनुराग गुप्ता, पी. सिंह, अब्दुल अख्तर खान, अभिनव बंसल, शांतनु बंसल, राकेश सारस्वत, रोहित अग्रवाल, सुनील आनंद, आर. पी. दीक्षित, सोमेंद्र जैन, वैभव जैन, मुकेश खंडेलवाल, मुनील अग्रवाल, संजीव वशिष्ट, मोहित अग्रवाल, राजीव सक्सेना, रूप किशोर अग्रवाल, जी.के. गोयल, बृजेंद्र कुमार अग्रवाल, सौरव खंडेलवाल, वैभव मित्तल, राजेंद्र शर्मा, रजनी कांत वर्मा, संजीब वशिष्ठ, गिरिश अग्रवाल, रूपक कश्यप, समीर माथुर, योगेश बाबू अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

# लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना जरूरी : सांसद राजकुमार चाहर

टीएनएफ टुडे, मलपुरा।



मतदाता जोड़ो अभियान के तहत मंगलवार को फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने ब्लॉक बरौली अहीर के गांव बाद का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय में बूथ संख्या 262, 263 एवं 264 पर पहुंचकर नए मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया की जानकारी ली।

सांसद चाहर ने बीएलओ चंद्रवीर सोलंकी, रजनी कुमारी एवं बिंदिया दीक्षित के साथ बैठक कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं एवं मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों के फॉर्म-6 भरवाए तथा अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सांसद राजकुमार चाहर ने कहा कि मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मतदाता जोड़ो अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। इसके लिए कार्यकताओं एवं संबंधित अधिकारियों को जनजागरूकता के साथ अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष अजय चाहर, दुर्गेश प्रधान, धन्ना प्रधान, बूथ अध्यक्ष शिवेंद्र चाहर, मुकेश सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

# मंडल स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक आज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक बुधवार, 25 नवंबर को मंडलायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। यह बैठक दोपहर 12:30 बजे आयुक्त सभागार में संपन्न होगी।

संयुक्त आयुक्त उद्योग, आगरा मंडल अनुज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक के दौरान उद्योग बंधु से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति आख्या और उद्यमियों से जुड़े लंबित बिंदुओं व समस्याओं पर विस्तार से चर्चा कर उनके निस्तारण की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों तथा विभिन्न औद्योगिक संगठनों के अध्यक्षों व सचिवों से निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

# केक मिक्सिंग सेरेमनी के साथ भावना क्लार्क्स इन में क्रिसमस की तैयारियों का आगाज

### पारंपरिक अंदाज में ड्राई फ्रूट्स, नट्स और कैंडिड फ्रूट्स का तैयार किया मिश्रण

टीएनएफ टुडे, आगरा।




आगरा। क्रिसमस के स्वागत में मंगलवार को होटल भावना क्लार्क्स इन में पारंपरिक केक मिक्सिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। उत्साह और उल्लास से सराबोर इस समारोह में होटल प्रबंधन, शेफ एवं विभिन्न विभागों के सदस्यों ने सहभागिता की। पारंपरिक विधि से विभिन्न प्रकार के ड्राई फ्रूट्स, नट्स, कैंडिड फ्रूट्स एवं अन्य विशेष सामग्रियों का मिश्रण तैयार कर क्रिसमस केक बनाने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया गया।

भावना ग्रुप के प्रबंध निदेशक भगत सिंह बघेल ने कहा कि केक मिक्सिंग सेरेमनी केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी सौहार्द, खुशियों और एकजुटता का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन उत्सवों की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम हैं।

होटल भावना क्लार्क्स इन के महाप्रबंधक रविंद्र सिंह इंदौलिया ने कहा कि अतिथियों को उत्कृष्ट आतिथ्य के साथ उत्सवों का यादगार अनुभव प्रदान करना होटल की प्राथमिकता है। केक मिक्सिंग सेरेमनी क्रिसमस के उल्लास और उमंग का खूबसूरत आगाज है।

समारोह के दौरान होटल की टीम ने पूरे उत्साह के साथ इस पारंपरिक आयोजन में भाग लिया। उत्सवी माहौल के बीच सभी ने क्रिसमस की खुशियों को साझा किया।

इस अवसर पर शेफ अजीत, कुलदीप कुमार, अभय पाल सिंह, गौरव जैन, आदिल खान, राम नारायण एवं ओमवीर सिंह समेत होटल के विभिन्न विभागों के सदस्य मौजूद रहे।

# थाना एकता क्षेत्र में डंपर की टक्कर से सात माह के मासूम की मौत

### मां गंभीर रूप से घायल, हादसे का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना एकता क्षेत्र में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से सात माह के मासूम बालक की जान चली गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के दो दिन बाद इस दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दुर्घटना में शामिल डंपर को कब्जे में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व थाना एकता क्षेत्र अंतर्गत रश्मि अपने सात माह के पुत्र शिवाय को साथ लेकर जा रही थीं। इसी दौरान मार्ग से गुजर रहे एक अनियंत्रित डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मासूम शिवाय की मौके पर ही मृत्यु हो गई, वहीं उसकी मां रश्मि गंभीर रूप से लहूलुहान हो गईं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

हादसे में जान गंवाने वाला सात माह का शिवाय अपनी दो वर्षीय बहन काव्या का इकलौता भाई था। इस हृदयविदारक घटना के बाद से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक ओर परिजन मासूम बेटे को खोने के गम में डूबे हैं, तो दूसरी ओर अस्पताल में उपचाराधीन रश्मि की गंभीर हालत को लेकर चिंतित हैं।

मंगलवार को दुर्घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें हादसे की भयावहता स्पष्ट नजर आ रही है। थाना एकता पुलिस के मुताबिक, मामले में विधिक कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा डंपर को जब्त कर लिया गया है। पुलिस घटना से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहनता से जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

# आगरा के कमला नगर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम

टीएनएफ टुडे, आगरा।



गूगल बाबा के नाम से प्रसिद्ध श्रमण मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज, मुनि श्री शीलसागर जीमहाराज एवं मुनि श्री सुप्रभात सागर जी महाराज के ससंघ मंगल सानिध्य में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, डी-ब्लॉक, कमला नगर में आयोजित नौ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के आठवें दिन मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। 17 नवंबर से पीएनसी परिवार, आगरा द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में राज्यसभा सांसद नवीन जैन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु सिद्धों की आराधना कर रहे हैं। प्रतिष्ठाचार्य डॉ. अभिषेक जैन एवं प्रतिष्ठाचार्य डॉ. आशीष जैन के कुशल निर्देशन में पीएनसी परिवार के मुखिया प्रदीप जैन पीएनसी, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, चक्रेश जैन एवं योगेश जैन ने भगवान आदिनाथ की प्रतिमाओं का अभिषेक एवं विशेष शांतिधारा संपन्न कराई।इसके पश्चात पीएनसी परिवार के सभी सदस्यों ने विशाल सिद्धचक्र महामंडल पर श्रीजी के समक्ष 1024 अर्घ्य समर्पित कर भक्तिपूर्वक सिद्धों की आराधना की। इस दौरान भोपाल से पधारे लोकेश जैन ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों पर पीएनसी परिवार के सभी सदस्यों ने भक्ति नृत्य करते हुए प्रभु भक्ति का आनंद लिया।इस अवसर पर आगामी 14 से 19 फरवरी 2027 तक श्री पद्मप्रभु जिनालय, अवधपुरी में उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन भी किया गया। पद्मप्रभु जिनालय परिवार, अवधपुरी की ओर से मुनिश्री समत्वसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में प्रदीप जैन पीएनसी एवं राज्यसभा सांसद नवीन जैन के करकमलों से आमंत्रण पत्रिका का विमोचन संपन्न हुआ। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने मुनिश्री के समक्ष श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री एवं आगरा छावनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. जी.एस. धर्मेश ने भी विशेष रूप से सहभागिता की। उन्होंने मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज सहित ससंघ विराजमान मुनिराजों के दर्शन कर उनके पावन चरणों में श्रद्धा अर्पित की तथा मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने धार्मिक अनुष्ठान की सराहना करते हुए कहा कि संतों का सानिध्य आध्यात्मिक ऊर्जा, संस्कार और आत्मकल्याण का महत्वपूर्ण माध्यम है। उनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और बढ़ गई।विधान के दौरान राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने अपने परिवार सहित श्रमण मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज के चरणों का प्रक्षालन किया तथा शास्त्र भेंट कर धर्मलाभ प्राप्त किया।मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों में जिनधर्म की व्यापकता और उसके सार्वभौमिक स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धर्म किसी व्यक्ति या तीर्थंकर द्वारा बनाया नहीं जाता, बल्कि धर्म तो आत्मा का स्वभाव है। भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर तक सभी तीर्थंकरों ने जिनधर्म का पालन किया और उसके सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाया। जिनधर्म केवल जैन समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके सिद्धांत संपूर्ण मानवता और प्राणी मात्र के कल्याण का मार्ग दिखाते हैं।मुनिश्री ने उत्तम क्षमा के महत्व को समझाते हुए कहा कि जीवन में कई बार अपने ही निकट संबंधों में मतभेद और टकराव के कारण शत्रुता का भाव उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में क्षमा का भाव अपनाकर ही राग-द्वेष से ऊपर उठा जा सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म के सिद्धांतों को जीवन, व्यवहार, राजनीति और व्यापार सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनाने से व्यक्ति अपने कर्तव्यों का संतुलित निर्वहन कर सकता है।इस अवसर पर सांसद नवीन जैन ने कहा कि इस धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से प्रभु से प्रार्थना की जा रही है कि प्रधानमंत्री स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों और उन्हें देश की सेवा के लिए निरंतर शक्ति, ऊर्जा एवं सामर्थ्य प्राप्त होती रहे। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और विश्व बंधुत्व के सिद्धांत संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं।सायंकाल 7 बजे मंदिर परिसर में श्रीजी की प्रतिमाओं की भव्य संगीतमय मंगल आरती की गई। संपूर्ण विधान का कुशल संचालन प्रसिद्ध मंच संचालक मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। इस विधान में पीएनसी परिवार के मुखिया प्रदीप जैन पीएनसी, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, चक्रेश जैन, योगेश जैन, जगदीश प्रसाद जैन, रोहित जैन अहिंसा, पारस जैन कांसल, अनंत कुमार जैन, यशपाल जैन, सुभाष जैन, वैभव जैन, अनिरुद्ध जैन, अभिनंदन जैन, मीना जैन, रेनू जैन, माधवी जैन, आशिता जैन, ईशू जैन, निधि जैन, सलोनी जैन, पलक जैन, मिताक्षरा जैन, मुन्नी जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन एवं राहुल जैन सहित समस्त पीएनसी परिवार के सदस्य और आगरा जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

**टीएनएफ टुडे** मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
**संपादक: धीरज शर्मा**, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

## सम्पादकीय

# बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती धमक और रणनीतिक संतुलन

आज की बदलती हुई विश्व व्यवस्था में जहां पुराने भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से टूट रहे हैं और नए शक्ति केंद्र उभर रहे हैं वहां भारत एक निर्णायक और प्रभावशाली धुरी के रूप में सामने आ रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन से लेकर क्षेत्रीय संघर्षों और आर्थिक गठबंधनों तक हर बड़े मंच पर अब भारत की आवाज को अनसुना करना किसी भी महाशक्ति के लिए आसान नहीं रहा है। एक तरफ पश्चिमी देशों और दूसरी तरफ उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के बीच संतुलन साधते हुए भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट लकीर खींची है। डिजिटल बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार और विनिर्माण क्षमता में बढ़ते निवेश ने विश्व मंच पर भारत की छवि को केवल एक बड़े बाजार से आगे बढ़ाकर एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में गढ़ा है। हालांकि बदलती वैश्विक व्यवस्था केवल अवसरों का पिटारा नहीं है बल्कि सीमा सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और बदलते व्यापारिक नियमों के रूप में कई तीखी चुनौतियां भी हमारे सामने खड़ी करती है। जब वैश्विक मंचों पर हितों का टकराव और आर्थिक संरक्षणवाद बढ़ता है तो किसी भी देश की असली ताकत उसकी आंतरिक स्थिरता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सामाजिक एकजुटता से तय होती है। यदि भारत को आगामी दशकों में विश्व व्यवस्था का नेतृत्व करने वाली शक्ति बनना है तो उसे कूटनीतिक चतुराई के साथ-साथ घरेलू नवाचार, शिक्षा और रोजगार की बुनियाद को और अधिक मजबूत करना होगा। बदलती दुनिया के इस tumultuous दौर में भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह बाहरी दबावों से विचलित हुए बिना अपने राष्ट्रीय हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों को कितनी मजबूती से आगे बढ़ाता है।

## अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

# जब त्रेता युग में लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम ने विभीषण के उस गुप्त निवेदन को स्वीकार किया

वाल्मीकि रामायण के युद्धकांड और पद्म पुराण के अत्यंत दुर्लभ तथा गोपनीय अध्यायों में लंका के राज्याभिषेक से ठीक पहले हुए एक मार्मिक संवाद से जुड़ी यह पावन कथा धर्मराज विभीषण के निश्छल त्याग और भगवान श्रीराम की राजधर्म नीति के उस गुप्त मर्म को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब रावण के अंत के बाद लंका की राजगद्दी विभीषण को सौंपने की तैयारी चल रही थी तब विभीषण के मन में यह गहरा संकोच उत्पन्न हुआ कि वे जिस सिंहासन पर बैठने जा रहे हैं उसके साथ उनके कुल के पतन और भाई के वियोग की भारी स्मृति जुड़ी हुई है।

विभीषण ने एकांत में भगवान श्रीराम के चरणों में नतमस्तक होकर यह निवेदन किया कि वे राजमुकुट या वैभव के लोभी नहीं हैं बल्कि चाहते हैं कि लंका की भूमि पर कभी भी अहंकार और अन्याय की छाया दोबारा न पड़ सके।

भगवान श्रीराम ने विभीषण के भाव को समझते हुए अत्यंत स्नेह से कहा कि सत्ता का वास्तविक अधिकार केवल शस्त्र या विजय से नहीं मिलता बल्कि उस संकल्प से मिलता है जिसमें शासक स्वयं को प्रजा के सेवक के रूप में देखता है।

उन्होंने विभीषण को यह गुप्त रहस्य बताया कि जो राजा अपने निजी मोह और क्रोध को त्यागकर न्याय और करुणा को अपना कवच बना लेता है उसके राज्य की सीमाएं स्वयं धर्म द्वारा सुरक्षित कर दी जाती हैं।

विभीषण ने जब प्रभु के इन वचनों को आत्मसात किया तो उनके भीतर छिपा सारा संकोच शांत हो गया और उन्होंने यह प्रतिज्ञा ली कि लंका का हर निर्णय धर्मशास्त्र और लोककल्याण की कसौटी पर ही परखा जाएगा।

यह भी माना जाता है कि उस क्षण भगवान श्रीराम ने यह स्पष्ट कर दिया कि सच्ची प्रभुता पद की ऊंचाई में नहीं बल्कि विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा की गहराई में निहित होती है।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जीवन में कोई भी दायित्व या पद तभी सार्थक होता है जब उसे अहंकार के बजाय सेवा और न्याय के पवित्र भाव से निभाया जाए।

# बंदर पहले आया या आदमी?

बृज खंडेलवाल




आखिर यह कायनात बनी कैसे? किसने सजाया सितारों का यह कारवां? सूरज को आग किसने दी? चांद को चमक किसने बख्शी? धरती पर समंदर, पहाड़, जंगल और फिर इंसान कैसे पैदा हुए? और अब यही इंसान सीना ठोककर पूछ रहा है कि मुझे बनाया किसने?

क्या हम भगवान की खास औलाद हैं? या अरबों साल पहले हुए कुछ अजीब इत्तेफाकों की पैदाइश? क्या किसी अनजान रासायनिक प्रयोग में कुछ ऐसा हुआ कि बेजान पदार्थों में जान आ गई? कहीं यह कायनात की सबसे बड़ी लॉटरी तो नहीं, जिसमें जिंदगी ने पहला इनाम जीत लिया?

सवाल जितना दिलचस्प है, जवाब उतना ही पेचीदा। विज्ञान ने बहुत कुछ समझाया है, लेकिन जिंदगी की पहली चिंगारी का राज अब भी पूरी तरह नहीं खुला। 24 नवंबर को दुनिया विकासवाद दिवस यानी इवोल्यूशन डे मनाती है। इसी दिन 1859 में चार्ल्स डार्विन की मशहूर किताब डल्ल शै डॅ्रल्ल ङ्ख रस्त्रीू२ प्रकाशित हुई थी। इस किताब ने इंसान की सदियों पुरानी सोच को हिला दिया। डार्विन ने बताया कि जीव-जंतु हमेशा से वैसे नहीं थे, जैसे आज दिखाई देते हैं। वे लाखों-करोड़ों साल में बदलते रहे हैं।

इस बदलाव का एक बड़ा कारण है प्राकृतिक चयन। जो जीव अपने माहौल के मुताबिक बेहतर ढल पाए, उनके बचने और अपनी नस्ल आगे बढ़ाने के मौके ज्यादा रहे। जो ऐसा नहीं कर पाए, वे धीरे-धीरे गायब हो गए।

कुदरत की अदालत में न कोई सिफारिश चलती है, न कोई रिश्वत। यहां कमजोर कड़ी टूटती है और मजबूत कड़ी आगे बढ़ती है। यही विकासवाद का बुनियादी सिद्धांत है।

डार्विन ने जीव विज्ञान की दुनिया में तहलका मचा दिया। लेकिन जनाब, उन्होंने जिंदगी के तमाम राज नहीं खोले थे। उनकी थ्योरी यह समझाती है कि जीवन शुरू होने के बाद जीवों में बदलाव कैसे आया। यह नहीं बताती कि पहली जान आई कहां से!

यानी विकास की कहानी समझ में आने लगी, मगर कहानी की शुरूआत अब भी रहस्य है।

आधुनिक विज्ञान के मुताबिक धरती करीब 4.6 अरब साल पहले बनी। गैस और धूल का एक विशाल बादल गुरुत्वाकर्षण के कारण सिमटा। सूरज बना और उसके आसपास बचे पदार्थों से ग्रह तैयार हुए। शुरूआती धरती आग का गोला थी। धीरे-धीरे ठंडी हुई, पानी जमा हुआ और समंदर अस्तित्व में आए।

फिर एक दिन बेजान रसायनों की दुनिया में जिंदगी का आगाज हुआ। मगर यह हुआ कैसे?

यहीं आकर विज्ञान की किताब के कुछ पन्ने खाली नजर आते हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि शुरूआती धरती पर पानी, गैसों और रासायनिक तत्वों की प्रतिक्रियाओं से जीवन के जरूरी अणु बने होंगे। समुद्र की गहराइयों में मौजूद गर्म जलस्रोतों को भी जीवन की संभावित जन्मस्थली माना जाता है। प्रयोगशालाओं में जीवन के कुछ बुनियादी रासायनिक पदार्थ तैयार करने में कामयाबी मिली है।

लेकिन रसायन बना लेना और एक जिंदा कोशिका पैदा कर देना दो अलग-अलग बातें हैं।

आखिर बेजान पदार्थों में अपनी नकल बनाने की क्षमता कैसे पैदा हुई? पहली कोशिका का जटिल ढांचा कैसे तैयार हुआ? उसे चलाने वाले निर्देश कहां से आए? जीवन की मशीनरी में ऊर्जा का इंतजाम कैसे हुआ?

इन सवालों पर दुनिया भर में शोध चल रहा है। कुछ अहम सुराग मिले हैं, लेकिन पूरी कहानी अभी सामने नहीं आई। जीवन की निर्जीव पदार्थों से उत्पत्ति के अध्ययन को एबायोजेनेसिस कहा जाता है।

लगता है कुदरत की प्रयोगशाला में कोई बड़ा प्रयोग हुआ था। मगर न प्रयोगशाला का पूरा रिकॉर्ड मिला, न वैज्ञानिक का नाम! चौकीदार भी शायद छुट्टी पर था।

डार्विन की थ्योरी को लेकर एक और गलतफहमी दूर करना जरूरी है। विकासवाद का मतलब यह नहीं कि आज का बंदर कल अचानक इंसान बन गया। इंसान और आज के बंदरों के पूर्वज अलग-अलग हैं, लेकिन उनका कोई साझा पूर्वज रहा है। लाखों साल में अलग-अलग शाखाओं ने अलग रास्ते पकड़े।

जीवाश्मों का रिकॉर्ड भी पूरी कहानी नहीं बताता। कुछ प्रजातियां धीरे-धीरे बदलीं, जबकि कुछ बड़े बदलाव भूवैज्ञानिक समय के हिसाब से अचानक दिखाई देते हैं। करीब 54 करोड़ साल पहले कैम्ब्रियन काल में अनेक प्रमुख जीव समूहों के जीवाश्म बड़ी संख्या में सामने आए। इसे कैम्ब्रियन विस्फोट कहा जाता है।

क्या यह सचमुच अचानक हुआ था? नहीं, वैज्ञानिक मानते हैं कि इसके पीछे लंबी जैविक और पर्यावरणीय प्रक्रियाएं थीं। लेकिन इन प्रक्रियाओं की पूरी बारीकियां समझना अब भी शोध का विषय है।

आंख, दिमाग, प्रतिरक्षा प्रणाली और कोशिकाओं की जटिल मशीनरी कैसे विकसित हुई? विज्ञान ने इनके विकास के कई रास्ते समझाए हैं। फिर भी कुछ सवालों पर शोध जारी है। अधूरी जानकारी का मतलब यह नहीं कि विकासवाद गलत है। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि खोज अभी खत्म नहीं हुई।

मगर विज्ञान के नाम पर भी अंधभक्ति क्यों? डार्विन को कुछ लोग ऐसे पूजते हैं, जैसे उन्होंने जिंदगी की हर गुत्थी सुलझा दी हो। विज्ञान को किसी नए भगवान की जरूरत नहीं। उसे चाहिए सवाल, सबूत और बहस।

दूसरी तरफ धर्म की अपनी दुनिया है। बाइबिल में ईश्वर द्वारा सृष्टि रचने का वर्णन है। हिंदू दर्शन में सृष्टि के निर्माण और विनाश के अनंत चक्र हैं।

धर्म इंसान को आस्था, नैतिकता और जीवन का मकसद देता है। विज्ञान प्रकृति के नियमों और घटनाओं को समझने की कोशिश करता है। दोनों के सवाल हमेशा एक जैसे नहीं होते। टकराव तब शुरू होता है, जब कोई अपनी मान्यता को आखिरी वैज्ञानिक सच बताने लगता है।

इंटेलिजेंट डिजाइन के समर्थक कहते हैं कि जीवन की जटिलता के पीछे किसी बुद्धिमान रचनाकार का हाथ हो सकता है। वैज्ञानिक समुदाय का जवाब है कि केवल जटिलता किसी रचनाकार का प्रमाण नहीं। इसके लिए ऐसे सबूत चाहिए, जिनकी जांच और पुष्टि की जा सके। फिलहाल इंटेलिजेंट डिजाइन को विकासवाद का स्थापित वैज्ञानिक विकल्प नहीं माना जाता।

लेकिन कुछ सवाल अब भी आसमान की तरफ मुंह उठाए खड़े हैं।

यह कायनात क्यों बनी? इसके नियम ऐसे ही क्यों हैं कि सितारे, ग्रह और जीवन पैदा हो सके? बेजान पदार्थों में जान कैसे आई? और इंसान इतना समझदार कैसे हो गया कि कविता लिखता है, चांद पर पहुंचता है, परमाणु बम बनाता है और फिर उसी बात पर लड़ता है कि भगवान है या नहीं?

क्या सब कुछ पहले से तय था? क्या जिंदगी महज इत्तेफाकों की लंबी कड़ी है? या कोई ऐसा राज है, जिसे न धर्म पूरी तरह समझ पाया और न विज्ञान?

डार्विन को सलाम कीजिए। उन्होंने इंसान को प्रकृति और अपने अतीत को समझने की नई नजर दी। मगर उन्हें भगवान बनाने की जरूरत नहीं। धर्म का सम्मान कीजिए, मगर हर धार्मिक कथा को विज्ञान की किताब समझने की भूल भी मत कीजिए।

विज्ञान की खूबसूरती उसके जवाबों में ही नहीं, उसके सवालों में भी है। आज जो बात रहस्य है, कल उसका जवाब मिल सकता है। यही इंसानी जिज्ञासा की असली ताकत है। और अगर हम सचमुच अरबों साल पुराने कुछ इत्तेफाकों की पैदाइश हैं, तो मानना पड़ेगा कि ये इत्तेफाक भी गजब के उस्ताद निकले!

अरबों साल पुरानी कायनात में इंसान की उम्र अभी चंद लम्हों जैसी है। लेकिन उसके दावे देखिए! कभी खुद को सृष्टि का मालिक बताता है, कभी भगवान का सबसे प्यारा बंदा और कभी पूरी कायनात का हिसाब लगाने बैठ जाता है।

वाह रे इंसान! जिस जिंदगी की शुरूआत का राज तू आज तक नहीं जान पाया, उसी जिंदगी पर तेरा इतना गुरूर!

विकास तो खूब हुआ, मगर अक्ल का विकास अभी जारी है!

# पहले पातशाह, मानवता दूत श्री गुरु नानक देव जी महाराज

दीपक कुमार गोस्वामी

तलवंडी की एक छोटी सी गली में जब एक बच्चे ने आँखें खोलीं, तो दुनिया ने अपनी आँखें बंद कर लीं, क्योंकि वो बच्चा दुनिया को देखने नहीं आया था, दुनिया को जगाने आया था, उसका नाम था नानक, नानक का मतलब है जो छोटा नहीं है, जो सबसे बड़ा है, जो सबसे ऊँचा है, फिर भी सबसे नीचे बैठता है, सबसे गरीब के घर रोटी खाता है, सबसे अंतिम के साथ चलता है, यही नानक की सबसे बड़ी अलौकिकता है, वो राजा बनकर नहीं आए, वो फकीर बनकर आए, वो रास्ते में बैठे, जहाँ भूखा बैठा था, जहाँ प्यासा बैठा था, जहाँ रोता हुआ इंसान बैठा था, वहीं नानक बैठ गए, क्योंकि नानक को पता था, ईश्वर पत्थर में नहीं है, ईश्वर इंसान में है, ईश्वर मूर्ति में नहीं है, ईश्वर उस मूरत में है जो रो रही है, जो भूखी है, जो अकेली है, जो अंतिम है, नानक ने उसी को पहले उठाया, उसी को गले लगाया, उसी को कहा, तू ही मेरा ईश्वर है, तू ही मेरा मंदिर है, तू ही मेरी मस्जिद है, तू ही मेरा गुरुद्वारा है।

नानक का जन्म 15 अप्रैल 1469 को तलवंडी, आज ननकाना साहिब में हुआ, पिता मेहता कालू, माता तृप्ता देवी, बहन नानकी, मित्र मरदाना, पर नानक किसी एक घर के नहीं थे, वे सबके थे, हिंदू उन्हें गुरु मानते हैं, मुसलमान उन्हें पीर मानते हैं, सिख उन्हें पहला पातशाह मानते हैं, उन्होंने 28 साल में 28,000 किलोमीटर से ज्यादा की 4 उदासियां कीं, पैदल, बिना किसी राजा की सहायता के, मक्का, मदीना, बगदाद, काबुल, कश्मीर, हरिद्वार, पुरी, श्रीलंका तक गए, आज के हवाई जहाज के युग में भी कोई इतनी यात्रा नहीं करता, यही ऐतिहासिक धरातल है, यही प्रमाण है कि नानक किताबों में नहीं, रास्तों में मिलते हैं।

और रास्तों में ही नानक ने अपना पहला पद गाया, इक ओंकार, सतनाम, करता पुरख, निरभउ, निरवैर, अकाल मूरत, अजूनी, सैभं, गुर प्रसादि, ईश्वर एक है, सत्य ही उसका नाम है, वो ही कर्ता है, वो निर्भय है, वो वैर-रहित है, वो काल से परे है, वो अजन्मा है, वो अपने आप से ही है, अगर प्रकाश एक है, तो अंधेरा कैसे अलग हो सकता है, अगर ईश्वर एक है, तो इंसान कैसे अलग हो सकता है, हिंदू भी उसी का है, मुसलमान भी उसी का है, सिख भी उसी का है, ईसाई भी उसी का है, और जो किसी धर्म का नहीं है, वो भी उसी का है, क्योंकि धर्म तो कपड़े हैं, इंसान तो शरीर है, कपड़े बदल जाते हैं, शरीर एक ही रहता है, नानक ने कपड़ों को नहीं देखा, नानक ने शरीर को देखा, नानक ने जात को नहीं देखा, नानक ने आत्मा को देखा, इसलिए नानक ने कहा, मानस की जात सभै एकै पहचानबो, मानव की जात एक ही है, उसे पहचानो, पहचानो कि तू भी वही है, मैं भी वही हूँ, वो भी वही है, सब एक ही ज्योत से जले हैं, सब एक ही मिट्टी से बने हैं, सब एक ही हवा में सांस लेते हैं, फिर दीवार क्यों, फिर नफरत क्यों, फिर ऊँच-नीच क्यों, फिर अमीर-गरीब क्यों, नानक ने कहा, न कोई हिंदू, न कोई मुसलमान, इसका अर्थ यह नहीं था कि हिंदू-मुसलमान खत्म हो जाएं, इसका अर्थ था, धर्म की दीवार से ऊपर उठो, इंसान को इंसान समझो।

सैदपुर की उस शाम को याद करो, जब अमीर मलिक भागो ने सोने की थाली में दावत सजाई थी, और गरीब भाई लाले ने सूखी रोटी और प्याज रखा था, नानक ने सोने की थाली को ठुकरा दिया, और सूखी रोटी को गले लगा लिया, लोगों ने कहा, नानक पागल हो गया है, नानक ने कहा, नहीं, मैं पागल नहीं हूँ, तुम पागल हो, क्योंकि तुम रोटी में सोना देखते हो, मैं रोटी में पसीना देखता हूँ, भागो की रोटी में गरीब का खून है, लाले की रोटी में मेहनत का दूध है, खून पीकर कोई अमर नहीं होता, दूध पीकर कोई मरता नहीं, यही नानक का आर्थिक सत्य है, यही नानक का सामाजिक सत्य है, यही नानक का धरातलीय सत्य है, मेहनत की रोटी ही सच्ची रोटी है, बाकी सब लूट है, बाकी सब पाप है, तुलंबा का सज्जन ठग यात्रियों को लूटकर मार देता था, फिर मस्जिद-मंदिर बनवाता था, नानक ने उसे कहा, तेरी मस्जिद तेरे पाप को नहीं धो सकती, सज्जन बदल गया, यही सुधार है, सजा नहीं, समझ से बदलाव।

मक्का में नानक सो गए, पैर काबा की तरफ हो गए, काजी गुस्से से चिल्लाया, पैर हटाओ, नानक ने हंसकर कहा, जिस तरफ ईश्वर नहीं है, उधर पैर कर दो, काजी चुप हो गया, क्योंकि काजी को समझ आ गया, ईश्वर दिशा में नहीं है, ईश्वर दिल में है, ईश्वर पूरब में नहीं है, पश्चिम में नहीं है, उत्तर में नहीं है, दक्षिण में नहीं है, ईश्वर हर तरफ है, ईश्वर तुम्हारे अंदर है, ईश्वर मेरे अंदर है, हरिद्वार में लोग सूरज को पानी दे रहे थे, नानक ने उल्टी दिशा में पानी देना शुरू कर दिया, लोगों ने कहा, ये क्या कर रहे हो, नानक ने कहा, मैं पंजाब में अपने खेत को पानी दे रहा हूँ, लोग हंसे, नानक ने कहा, अगर तुम्हारा पानी सूरज तक जा सकता है, तो मेरा पानी पंजाब तक क्यों नहीं जा सकता, यही नानक का तर्क था, यही नानक का कलम-तोड़ प्रहार था, अंधविश्वास पर, दिखावे पर, पाखंड पर, नानक ने कभी किसी धर्म को गाली नहीं दी, नानक ने धर्म के दिखावे को तोड़ा, नानक ने कहा, जनेऊ धागे का नहीं होता, जनेऊ दया का होता है, संतोष का होता है, सत्य का होता है, दया कपाह, संतोष सूत, जत गांठी, सत वट, यही असली जनेऊ है, वेद कहता है, एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति, सत्य एक है, ज्ञानी उसे अनेक नामों से कहते हैं, नानक ने वही कहा, इक ओंकार, यही वैदिक सत्य है, यही सनातन की रक्षा है, सनातन की रक्षा का अर्थ मंदिर-मस्जिद की रक्षा नहीं है, सनातन की रक्षा का अर्थ सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा की रक्षा है।

नानक ने स्त्री को वो सम्मान दिया, जो आज भी दुनिया नहीं दे पाई, नानक ने कहा, सो किउ मंदा आखीऐ, जितु जंमहि राजान, उस स्त्री को बुरा क्यों कहते हो, जिससे राजा जन्म लेते हैं, जिससे गुरु जन्म लेते हैं, जिससे पैगंबर जन्म लेते हैं, स्त्री माँ है, स्त्री बहन है, स्त्री बेटी है, स्त्री पत्नी है, स्त्री के बिना दुनिया अधूरी है, स्त्री के बिना ईश्वर भी अधूरा है, नानक ने मरदाना को साथ रखा, जो मुसलमान था, जो मिरासी था, जिसे लोग नीचा कहते थे, नानक ने कहा, नीचां अंदर नीच जाति, नीची हूं अति नीच, नानक तिन के संगि साथि, वडियां सिउ क्या रीस, मैं सबसे नीच के साथ हूँ, मैं सबसे पीछे वाले के साथ हूँ, मैं सबसे अंतिम के साथ हूँ, क्योंकि अंतिम ही पहला है, जो अंतिम को उठाता है, वही पहला बनता है, जो अंतिम को भूल जाता है, वो कभी पहला नहीं बन सकता, यही दिव्यांग, वंचित, कमजोर, बलवान सबके लिए सम्मान है, लंगर में सब एक साथ बैठते हैं, राजा-रंक, अमीर-गरीब, स्वस्थ-दिव्यांग, सब एक पंक्ति में, यही व्यवहारिक समरसता है। नानक ने कहा, विद्या वीचारी तां परउपकारी, विद्या वही है, जो परोपकारी बनाए, शिक्षा का अर्थ नौकरी नहीं, मानवता है, नानक ने कहा, शरीर को मंदिर समझो, नशे से दूर रहो, मन को जीत लो, मन जीते जग जीत, मन को जीत लिया, तो जग जीत लिया, मन को हार गए, तो जग हार गए, मन ही मंदिर है, मन ही मस्जिद है, मन ही गुरुद्वारा है, मन को साफ रखो, मन को प्रेम से भरो, मन को सेवा से भरो, मन को करुणा से भरो, फिर तुम्हें ईश्वर को खोजने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, ईश्वर तुम्हें खोजता हुआ आएगा।

## सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 26 नवंबर 2026 गुरुवार

**कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!**

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

### शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष कर्क सिंह तुला और धनु राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और ज्ञान तथा समृद्धि के दाता देवगुरु बृहस्पति की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन विष्णु मंदिर में जाकर पीले पुष्प और केले का भोग लगाने तथा विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट और दरिद्रता दूर होती है तथा उत्तम ज्ञान मान सम्मान और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

### मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। भगवान विष्णु को पीले पुष्प अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

### वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में चने की दाल और गुड़ का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

### मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। विष्णु सहस्रनाम का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

### कर्क




आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। विष्णु मंदिर में पीले रंग का वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

### सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान विष्णु को केसर का तिलक अर्पित करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

### कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को पीले फल और मिठाई दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

### तुला

आज कला संस्कृति और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में केले का भोग लगाएं जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

### वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। गुरु मंत्र का जप करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

### धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

### मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। गुरुवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

### कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। गुरु चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

### मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान विष्णु के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

### आज का वास्तु शोधनम सूत्र

गुरुवार के दिन घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां पीले वस्त्र पर भगवान विष्णु या बृहस्पति यंत्र स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर हल्दी और केसर से शुभ चिह्न बनाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा देवगुरु बृहस्पति की कृपा से घर में ज्ञान विवेक और स्थायी सुख-समृद्धि का वास होता है।

# वोटर लिस्ट में नाम नहीं तो छूट जाएगा वोट!

## युवाओं-महिलाओं पर प्रशासन का फोकस

- 28-29 नवंबर को सभी बूथों पर लगेंगे विशेष कैंप
- 18 साल के युवाओं और महिलाओं का होगा प्राथमिकता से पंजीकरण
- 4 जनवरी 2027 को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जनपद के समस्त 35 जोनल मजिस्ट्रेटों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची को अधिकाधिक शुद्ध, अद्यतन, त्रुटिरहित एवं समावेशी बनाने के साथ-साथ प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत नए मतदाताओं का पंजीकरण सर्वोच्च प्राथमिकता पर कराया जाए तथा अधिकाधिक पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 भरवाकर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अथवा 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी युवा मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में अनिवार्य रूप से सम्मिलित हो।

उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के मतदाता पंजीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन पात्र महिलाओं का नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उनकी पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर फॉर्म-6 भरवाया जाए। महिला मतदाताओं के पंजीकरण में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा पात्र महिलाओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।



जिलाधिकारी ने जनपद के सभी 2263 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को पूरी सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीएलओ केवल बूथ पर बैठकर आवेदन प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने आवंटित मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर संपर्क करें। प्रत्येक घर में पात्र मतदाताओं की स्थिति का सत्यापन करें और जिन युवाओं, महिलाओं एवं अन्य पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, उन्हें फॉर्म-6 भरने के लिए प्रेरित करें। आवेदन भरने में किसी नागरिक को परेशानी न हो, इसके लिए बीएलओ आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन भी प्रदान करें।

उन्होंने समस्त 35 जोनल मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की नियमित निगरानी करें तथा बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करें। प्रत्येक बूथ पर पात्र मतदाताओं के पंजीकरण की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाए। जहां मतदाता पंजीकरण की प्रगति अपेक्षाकृत कम हो, वहां विशेष प्रयास करते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय, सक्रियता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन की आधारशिला है। इसलिए पुनरीक्षण अभियान के दौरान नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ-साथ मतदाता सूची में दर्ज नामों एवं अन्य विवरणों की भी गंभीरता से जांच की जाए। पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने, अपात्र प्रविष्टियों तथा त्रुटियों से संबंधित मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से जनपद के युवाओं से अपील की कि जिनकी आयु 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है अथवा हो चुकी है और जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे अपना नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 अवश्य भरें। इसी प्रकार ऐसे सभी पात्र नागरिक, जिनका नाम किसी कारणवश अभी तक मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हो पाया है, वे भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 28 एवं 29 नवंबर 2026 को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस के रूप में कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में संबंधित बीएलओ उपस्थित रहकर फॉर्म-6, 7 एवं 8 प्राप्त करेंगे। साथ ही मतदाता सूची में नाम, पता एवं अन्य विवरणों से संबंधित आवश्यक दावे एवं आपत्तियां भी प्राप्त की जाएंगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इन दोनों विशेष अभियान दिवसों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक नागरिक अपने संबंधित मतदेय स्थल पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने एवं आवश्यक संशोधन कराने की प्रक्रिया पूरी कर सकें।

जिलाधिकारी ने बताया कि एकीकृत ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 17 नवंबर 2026 को किया जा चुका है। इसके उपरांत दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 17 नवंबर 2026 से 16 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया जाएगा। जनपद में वर्तमान में कुल 17,05,238 मतदाता हैं, जिनमें 9,30,757 पुरुष मतदाता, 7,74,443 महिला मतदाता तथा 38 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिकों का नाम शामिल होना आवश्यक है। विशेषकर महिला एवं युवा मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए सभी संबंधित अधिकारी प्रभावी प्रयास करें।

जनपदवासी अपनी मतदाता सूची में नाम की जांच करने तथा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट ँ३३स्र२ः//५ङ्ग३ी१२ॅू.ॅङ्ग५.ल्ल पर जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त जनपद की आधिकारिक वेबसाइट ँ३३स्र२ः//ॅ३ँ४१.ल्ल्रू.ल्ल के डीईओ पोर्टल पर संबंधित जनपद एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का चयन कर मतदाता सूची देखी जा सकती है। पात्र नागरिक ऑनलाइन माध्यम से भी फॉर्म-6 भरकर नए मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण कराने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं, फॉर्म 7 भरकर नाम हटवा सकते है तथा फॉर्म 8 भरकर संशोधन/ निवास परिवर्तन आदि करा सकते है।

अंत में जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त नागरिकों से अपील की कि वे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। जिन पात्र नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित समयावधि में फॉर्म-6 भरकर अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। विशेषकर युवा एवं महिलाएं इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और अपने परिवार एवं आसपास के पात्र नागरिकों को भी मतदाता पंजीकरण के लिए जागरूक करें। आपका एक कदम, लोकतंत्र को बनाएगा और मजबूत। अपना वोट बनवाएं, लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

बैठक में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 पूजा गुप्ता, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 राधावल्लभ, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, उप जिलाधिकारी गोवर्धन संजय सिंह, उप जिलाधिकारी मांट चंद्रभूषण प्रताप, उप जिलाधिकारी सदर मोहित कुमार, उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी छाता साक्षी शर्मा, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृन्दावन राजकुमार चौधरी, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति सहित समस्त अन्य जोनल मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

# अडींग किलोल कुण्ड पर देव दीपावली आयोजित

## अडींग के ऐतिहासिक कुण्ड पर परंपरागत आयोजन में उमड़ा जन सैलाव



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

गांव अड़ींग स्थिति ऐतिहासिक किलोल कुण्ड पर 5100 दीपक जलाकर ग्रामीण माताओं ने उल्लास पूर्वक देव दीपावली मनाई। यह वही कुण्ड है जहां भगवान कृष्ण ने अकड़कर दान लिया और इसी से अपभ्रंश होकर गांव का नाम अड़ींग पड़ा।

ब्रज अकादमी के अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव ने बताया कि देव दीपावली का यह परंपरागत आयोजन श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। पंकज पंडित ने सभी को देव दीपावली का महत्व बताते हुए दीपदान कर पुण्य लाभ का संकल्प कराया।

दीपदान के समय बच्चे, बूढ़े, माताएं सभी ने कयी एकड़ में फैले कुण्ड को दीपमाला से सजा दिया। बबीता, राधा शर्मा, उर्मिला चौधरी, मिथिलेश, कृष्णा, चंचल, ममता, मालती, रेखा, यादव महासभा जिलाध्यक्ष पूनम यादव, सोनदेई, मालती चाची आदि माताओं ने दीपक तैयार किए। दीनदयाल मित्तल ने श्री कृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण कर दीपदान का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में दिलीप खण्डेलवाल, राजेश गौड़, पूर्व प्रधान मुनीष स्वरूप, नारायण सिंह राजपूत, नरेश पंडित, सचिन,गिरीश शर्मा, गब्बर सैनी, आकाश सोनी, राम चौधरी चेटा,संजय नरबरिया, दीपू, महाराजा सिंह, विष्णु मिश्रा, लाला पंडित आदि का स्वच्छता व दीपदान में सहयोग रहा। पंचायत के सफाई कर्मचारी भी सफाई में लगे।

# धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ चतुवेर्दी समाज का मोर्चा

## 110 तीर्थों में एफआईआर की तैयारी

- भगवान पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, अब आर-पार की तैयारी
- देशभर के 110 तीर्थस्थलों पर विरोध का ऐलान
- 8-9 दिसंबर की बैठक में तय होगी आगे की रणनीति




टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के व श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने कहा कि किसी भी हमारे भगवान पर की जाने वाली अशोभनीय टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बागेश्वर धाम के कथावाचक जिन हमारे आराध्यों का नाम लेकर कमा खा रहे हैं, उन्हें किसी भी भगवान में तुलना करने और इनके खिलाफ टिप्पणियों का जमकर विरोध करेंगे। फिर भले ही धीरेंद्र शास्त्री हों या कोई और।

श्री पाठक भैंस भहोरा स्थित चतुवेर्दी समाज की वाडी कैला मां मंदिर के समक्ष पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लिफाफा गेंग द्वारा हमारे कंस वध की शोभायात्रा में निकाली गई झांकी के प्रतिफल यहां बुलाकर पुनः अशोभनीय वातार्लाप कराया। वह यदि हृदय से श्री कृष्ण से क्षमा मांगते तो वह और उनका समाज क्षमा कर देता। अब वह धीरेंद्र शास्त्री व इस तरह के लोगों को सबक सिखाने के लिए योजना तैयार कर रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि कथावाचकों में यह परंपरा जैसी बन गई है, जो भी आता है देवी देवताओं पर गलत टिप्पणी करता है। वह इसके विरोध में देश के 110 तीर्थों में विरोध करेंगे और वैधानिक कार्यवाही के लिए भी योजना तैयार करेंगे।

श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ऐसा लगता है किसी राजनैतिक पार्टी के इशारे पर अपना एजेंडा चला रहे हैं। विगत कई वर्षों का उदाहरण देने हुए उन्होंने बताया कि लगातार गलत भाषा का इस्तेमाल करते हैं। कभी छूआछूत तो कभी साईबाबा के खिलाफ बयान देकर सस्ती लोकप्रियता बटोर रहे हैं। समाज ऐसे अनाचरण करने वालों की कड़ी निंदा करता है। अब उन्हें सबक सिखाने का समय आ गया है। चतुवेर्दी समाज यह बर्दाश्त नहीं करेगा। वह जनता में जग जागरण अभियान चलाएंगे।

अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम कृष्ण तिवारी ने कहा कि आगामी 8 और 9 दिसंबर में सोमनाथ में आयोजित होने जा रही अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा की बैठक में कथावाचक के अमर्यादित टिप्पणी पर सर्वश्रेष्ठ सम्मति से निर्णय लिया जाएगा।

जरूरत पड़ी तो ऐसे समाज में प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अगर जरूरत महसूस हुई तो 110 स्थानों पर एफआईआर भी दर्ज कराएंगे। इस मोके पर राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

# सीएई की धमाकेदार जीत!

## जगदीश के तूफानी 169 रन से 301 का लक्ष्य भी बौना

- 19 चौके, 9 छक्के; गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां
- सीएई मथुरा ने 7 विकेट से मारी बाजी
- अचीवर्स के गोविंद का 73 और प्रद्युम्न का शतक बेकार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता का सातवा मैच सी ए ई मथुरा व अचीवर्स क्रिकेट अकादमी, मथुरा के मध्य वृन्दावन क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड के मैदान पर खेला गया।

मंगलवार को अचीवर्स क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की टीम शुरूआत शानदार रही दोनों ही ओपनर बल्लेबाज गोविन्द शर्मा 73 रन और प्रधुमन चौहान ने शानदार शतक लगाते हुऐ 106 रन की पारी खेली इनके बाद आये बल्लेबाज कन्हैया पाठक ने नाबाद 90 रन की तेज पारी खेल के टीम का स्कोर निर्धारित 30 ओवर में 2 विकेट खोकर 301 रन बनाये। सीएई की ओर से गेन्दबाजी करते हुऐ कप्तान कैलाश सोलंकी ओर परशुराम सांगवान 1-1 विकेट लेने मे सफल हो सके। जवाब मे 302 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सी ए ई मथुरा की ओर से जगदीश अग्रवाल ने 19 चौके 9 छक्कों की सहयता से 169 रन की शताकीय पारी खेली तथा उनके साथ राहुल चौधरी ने 58 रन ओर परशुराम ने 49 रन का योगदान दिया। इस तरह सीएई, मथुरा ने 7 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की ओर से विमल विधुरी, गोविन्द शर्मा तथा मोहित सिरोही ने 1-1 विकेट लिए । आज के मैच मे अंपायर अनिल आहूजा और मोहम्मद असलम रहे स्कॉरिंग गौरव जादौन ने की । इस अवसर संघ के सचिव कमल चावला, आशुतोष दीक्षित,अशोक कैंथवास, आदि लोग मौजूद रहे। आज के मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरुष्कार जगदीश अग्रवाल को प्रदान किया।

# जोधपुर झाल की जैव विविधता का पाठ पढ़ने पहुंचे 40 विद्यार्थी

## वेटलैंड संरक्षण और जलीय पारिस्थितिकी का किया अध्ययन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



- जलीय जीवन की बारीकियां समझीं
- वेटलैंड प्रबंधन में युवाओं की अहम भूमिका
- पक्षियों की 60% प्रजातियों को मिलता है आश्रय

शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत वेटरनेरी यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के 40 स्नातक विद्यार्थियों का समूह वेटलैंड ईकोलॉजी के व्यावहारिक अध्ययन हेतु जोधपुर झाल वेटलैंड पहुंचा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और वन विभाग द्वारा विकसित जोधपुर झाल पर

? विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के ईकोलॉजिस्ट डॉ. के.पी. सिंह ने बताया कि वेटलैंड का खाद्य जाल पक्षी वर्ग की लगभग 60 प्रतिशत प्रजातियों को आश्रय प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वेटलैंड्स का वैज्ञानिक प्रबंधन जैव विविधता संरक्षण की एक आधारभूत आवश्यकता है, और इस दिशा में फिशरीज साइंस के विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के डीन प्रो. नित्यानंद पांडेय ने जानकारी दी कि इस शैक्षणिक अध्ययन कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को जनपद के प्रमुख वेटलैंड्स, ऐतिहासिक कुंड, बैराज तथा यमुना नदी के जलीय जीवों के ईको-सिस्टम की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य में इन विद्यार्थियों को जल प्रदूषण नियंत्रण और प्रबंधन के व्यावहारिक कार्यों से भी जोड़ा जाएगा।

कॉलेज के प्रवक्ता अंबरीश सिंह ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ फील्ड विजिट विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल को निखारने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जोधपुर झाल जैसे समृद्ध वेटलैंड का प्रत्यक्ष अध्ययन करने से विद्यार्थियों को जलीय जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को गहराई से समझने का अवसर मिलेगा, जो भविष्य में उन्हें एक कुशल मत्स्य वैज्ञानिक और पर्यावरण संरक्षक बनने में मदद करेगा। शैक्षिक भ्रमण मे प्रवक्ता साक्षी मोर्या, विनोद कुमार व वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

# नशे का काला कारोबार बेनकाब!

## महिला के पास से स्मैक-अल्प्राजोलम की बड़ी खेप बरामद!

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

थाना गोविन्दनगर पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त को 313 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ अल्प्राजोलम व 27 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ स्मैक (जिनकी अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 09 लाख रुपए ) व कुल 1,28,170 रुपये नगद सहित गिरफ्तार किया गया।

थाना गोविन्दनगर पुलिस टीम ने 23 नवंबर समय मुखबिर की सूचना पर एक महिला अभियुक्त को 313 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ अल्प्राजोलम, 27 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ स्मैक व 1,28,170/- रुपये सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी



के आधार पर थाना गोविन्दनगर पर मु0अ0सं0 474/2026 धारा 8/21/22/29 एन.डी.पी.एस. में अन्सार पुत्र बरकत उर्फ गांधी, शहजाद पुत्र यामीन निवासीगण नई मस्जिद के पास राधेश्याम कोलौनी थाना गोविन्दनगर जिला मथुरा व 02 महिला अभियुक्ता के विरुद्ध पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में जितेन्द्र कुमार क्षेत्राधिकारी, अजय वर्मा थानाध्यक्ष थाना गोविन्दनगर, उनि आजाद सिंह, उनि मयंक वत्स, उनि प्रशान्त शर्मा आदि शामिल थे।

# गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारे में गूंजे गुरुवाणी और शबद-कीर्तन

## सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया लंगर

- पटियाला बाग गुरुद्वारे में दो दिवसीय अखंड पाठ का आयोजन, मानवता, समानता और भाईचारे का दिया संदेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।



सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मंगलवार को धौलपुर में श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पटियाला बाग स्थित गुरुद्वारे में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। संगत ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की तथा गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

गुरुद्वारे के ग्रंथी गुरप्रीत सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दो दिवसीय अखंड पाठ रखा गया। मंगलवार सुबह से गुरुवाणी और शबद-कीर्तन का आयोजन हुआ। कीर्तन के माध्यम से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का गुणगान करते हुए मानवता, प्रेम, समानता, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।

**सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर ग्रहण किया लंगर**

धार्मिक कार्यक्रमों के समापन के बाद गुरु का अटूट लंगर आयोजित किया गया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। संगत के लोगों ने भी लंगर सेवा में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। लंगर में जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी ने एक साथ भोजन किया। प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने अरदास कर एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

**गुरु नानक देव की शिक्षाओं को अपनाने का लिया संकल्प**

गुरु नानक देव जी ने समाज को 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' का संदेश दिया था। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता, समानता, प्रेम और निस्वार्थ सेवा को जीवन का आधार बताया। प्रकाश पर्व पर श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में प्रेम, एकता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

### विद्यार्थियों व आमजन को संवैधानिक मूल्यों के प्रति किया जाएगा जागरूक

**आगरा।** सर्वोच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (लखनऊ) तथा जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार संविधान दिवस के अवसर पर आगामी 26 नवंबर को 'एक स्वर एक संविधान' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत शहर के क्वीन विक्टोरिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में सुबह 8:30 बजे विशेष 'संविधान शपथ कार्यक्रम' आयोजित होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-प्रथम ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों में भारतीय संविधान के प्रति व्यापक जागरूकता लाना है। इसके माध्यम से संविधान में निहित मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं, शिक्षकों व अन्य उपस्थित प्रतिभागियों को एक स्वर में संविधान की शपथ दिलाई जाएगी।

# सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें:अतिरिक्त जिला कलक्टर

- साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।



साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों, लंबित प्रकरणों, सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अधिकारियों को विभागीय कार्यों में गति लाने, लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा आमजन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

**सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा**

बैठक में सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अधिकारियों से विभागवार लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निस्तारण में केवल औपचारिकता नहीं हो, बल्कि परिवादी की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करने तथा उच्च प्राथमिकता वाले प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने जलदाय विभाग की समीक्षा के दौरान एफएचटीसी तथा ब्लॉकवार शहरी कार्यों की भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। नगर परिषद अधिकारियों को नालों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में फॉगिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को कुसुम वी के तहत सोलर पम्प लगाने में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान सबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# प्रेम-प्रसंग में युवक की गोली मारकर हत्या, सीने और गर्दन पर दागीं दो गोलियां

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, धौलपुर।

- पत्नी को साथ ले जाने का विरोध करने पर वारदात का आरोप, यूपी पीएसी का जवान और मृतक की पत्नी पुलिस हिरासत में

धौलपुर में मंगलवार सुबह प्रेम-प्रसंग के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि उत्तर प्रदेश पीएसी में तैनात जवान ने युवक के घर पहुंचकर उसके सीने और गर्दन में दो गोलियां दाग दीं। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी जवान रोहित और मृतक की पत्नी रानी कश्यप को हिरासत में लिया है।

डीएसपी सिटी प्रदीप नेहरा ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे बहादुर कश्यप (30) पुत्र सुंदरपाल की गोली मारकर हत्या की गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी रानी कश्यप और उसके प्रेमी रोहित को डिटेन किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रानी और रोहित के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसी बात को लेकर बहादुर और रोहित के बीच विवाद चल रहा था।

पत्नी को ले जाने लगा तो किया विरोध, बरामदे में मारी गोली,

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह रोहित बहादुर के घर पहुंचा और उसकी पत्नी रानी को अपने साथ ले जाने लगा। इस पर बहादुर ने विरोध किया। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि रोहित ने देसी कट्टा निकालकर बहादुर पर लगातार दो गोलियां चला दीं। गोलियां लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

डीएसपी के अनुसार मृतक के बच्चों ने सुबह करीब 7 बजे ओंडेला चौकी पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी रोहित और मृतक की पत्नी रानी कथित रूप से साक्ष्य मिटाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

14 साल पहले हुई थी शादी, तीन बेटों के सिर से उठा पिता का साया,

बहादुर कश्यप के तीन बेटे हैं, जिनकी उम्र 12, 10 और 8 वर्ष बताई गई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घर की महिलाएं बच्चों को संभाल रही हैं। बहादुर केरल में मजदूरी करता था और दीपावली पर अपने गांव आया हुआ था। सोमवार को ही वह परिवार के साथ अपने पैतृक गांव भरकूंजरा में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौटा था।

बहादुर और रानी की शादी वर्ष 2012 में हुई थी। करीब 14 साल के वैवाहिक जीवन के बाद इस वारदात ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हत्या में प्रयुक्त हथियार सहित अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

-धौलपुर सीओ सिटी प्रदीप नेहरा

# मेहंदी की रस्म से सजा रुक्मिणी विवाह, प्रेम की पुकार पर विदर्भ पहुंचे द्वारिकाधीश

## श्रीकृष्ण लीला में रुक्मिणी मंगल विवाह का भावपूर्ण मंचन, शिशुपाल और रुक्मी के अभिमान का हुआ अंत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।



बल्केश्वर स्थित गौशाला प्रांगण में चल रहे श्रीकृष्ण लीला महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को रुक्मिणी मंगल विवाह लीला का भव्य एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। विवाह उत्सव की शुरूआत वजीरपुरा स्थित प्राचीन सीताराम मंदिर में श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी जी के स्वरूपों को मेहंदी लगाने की रस्म से हुई। मुख्य अतिथि डॉली बंसल थीं। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर विवाह की खुशियां मनाईं। इसके पश्चात लीला स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के दिव्य परिणय प्रसंग का मंचन हुआ। रुक्मिणी की अनन्य भक्ति, प्रेम और समर्पण की कथा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

नारद जी के मुख से श्रीकृष्ण की महिमा सुन मोहित हुईं रुक्मिणीलीला के प्रसंग के अनुसार विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री रुक्मिणी साक्षात माता लक्ष्मी का अवतार थीं। जब उन्होंने देवर्षि नारद के मुख से भगवान श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य और दिव्य गुणों की प्रशंसा सुनी तो मन ही मन उन्हें अपना जीवनसाथी स्वीकार कर लिया। लेकिन रुक्मिणी का भाई रुक्मी भगवान श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था।ब्राह्मण के हाथ भेजा परिणय संदेश, शिशुपाल के मंसूबों पर फिरा पानीअपने भाई की इच्छा जानकर रुक्मिणी ने एक ब्राह्मण संदेशवाहक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण तक अपना परिणय संदेश पहुंचाया। प्रेम भरा संदेश मिलते ही श्रीकृष्ण विदर्भ की नगरी कुंडीनपुर पहुंच गए। वहां शिशुपाल के साथ शाल्व, जरासंध, दंतवक्त्र, विदुरथ और पौंड्रक जैसे राजा भी मौजूद थे। भगवान श्रीकृष्ण ने युद्ध में सभी को परास्त कर रुक्मिणी को उनकी इच्छा के अनुसार अपने साथ ले लिया।

रुक्मी का अभिमान तोड़ा, द्वारिका में संपन्न हुआ दिव्य विवाह श्रीकृष्ण जब रुक्मिणी को लेकर द्वारिका की ओर प्रस्थान कर रहे थे, तभी रुक्मी ने उनका मार्ग रोककर युद्ध के लिए ललकारा। भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने युद्ध में रुक्मी को पराजित कर दंडित किया। इसके पश्चात द्वारिकापुरी में परिजनों और संबंधियों की उपस्थिति में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विधिवत विवाह संपन्न हुआ। इस प्रसंग ने संदेश दिया कि सच्चा प्रेम, अटूट विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण सभी बाधाओं पर विजय प्राप्त कर सकता है।बुधवार को रक्तदान शिविर के साथ होगा लीला महोत्सव का विश्राम श्रीकृष्ण लीला समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बताया कि समिति के संरक्षक डॉ विजय किशोर बंसल में लीला महोत्सव का विश्राम मानव सेवा के संकल्प के साथ किया जाएगा। बुधवार को लीला स्थल पर सुबह 10 बजे से विशाल रक्तदान शिविर आयोजित होगा। इससे पूर्व भगवान के स्वरूपों की विदाई एवं हवन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं और शहरवासियों से रक्तदान शिविर में सहभागिता कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में योगदान देने की अपील की।

ये रहे उपस्थित

मेहंदी की रस्म में डॉली बंसल, नेहा गुप्ता, ममता उपाध्याय, सुजाता अग्रवाल, निशि नेहरू, सलोनी नेहरू, शिप्रा गुप्ता, शिल्पी तिवारी, लता उपाध्याय, हेमा शर्मा, मंजू उपाध्याय एवं मीरा बघेल सहभागिता की और स्वरूपों के मेहंदी लगाई। लीला में स्वरूपों की आरती महंत अनंत उपाध्याय, अतुल गुप्ता, अरुण उपाध्याय, विजय रोहतगी, अशोक गोयल, पार्षद पूजा बंसल, गिर्राज बंसल, ब्रजेश अग्रवाल, मनोज बंसल, लक्ष्मण शर्मा, सूरज तिवारी, अनूप गोयल, विनीत सिंघल आदि ने उतारी।

### खेत में खड़े 200 सफेदा के पेड़ काटकर किए नष्ट

**सैंया।** थाना क्षेत्र के गांव अयेला में सोमवार रात अज्ञात लोगों ने एक किसान के खेत में खड़े करीब 200 यूकेलिप्टस (सफेदा) के पेड़ों को काटकर नष्ट कर दिया। पीड़ित किसान ने थाने पहुंचकर अज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर दी है। गांव अयेला निवासी दिनेश सिंह के खेत में करीब दो वर्ष पुराने सफेदा के पेड़ खड़े थे। आरोप है कि सोमवार रात अज्ञात लोगों ने सभी पेड़ों को काट दिया। वहीं कुछ कटे हुए पेड़ों की लकड़ी भी अपने साथ ले गए। मंगलवार को घटना की जानकारी होने पर किसान ने पुलिस से शिकायत की। इस संबंध में कार्यवाहक थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

### दिव्यांगजनों के लिए 30 नवंबर को लगेगा निःशुल्क रोजगार मेला

**आगरा।** दिव्यांग अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 30 नवंबर को एक दिवसीय नि:शुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, आगरा और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह मेला साँई का तकिया चौराहा, एमजी रोड स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। सहायक निदेशक (सेवायोजन) चंद्रचूड़ दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेले में निजी क्षेत्र की कई कंपनियां और नियोजक शामिल होंगे। कंपनियों द्वारा टेलीकॉलेक्शन एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, ऑपरेशंस एग्जीक्यूटिव, रिन्यूअल एडवाइजर, सपोर्ट एग्जीक्यूटिव, पिकर-पैकर, अकाउंट पेयबल, बैकएंड एग्जीक्यूटिव और टीम मेंबर सहित विभिन्न पदों पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाएगा। इस रोजगार मेले में 18 से 35 वर्ष की आयु के वे सभी दिव्यांग अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जिन्होंने न्यूनतम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की है। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और समय पर अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों व प्रमाण पत्रों के साथ कार्यालय परिसर में उपस्थित होना होगा। मेले में प्रतिभाग करने के लिए किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

### खेत में बकरी घुसने के विवाद में मारपीट, एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज

**पिनाहट।** खेत में बकरी चले जाने पर हुए विवाद में पीड़िता की शिकायत पर एससी-एसटी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वही घायल महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। थाना पिनाहट के गांव सिकतरा निवासी महिला अंगूरी देवी ने बताया कि 21 नवम्बर को दोपहर करीब तीन बजे उसकी पुत्रवधू अंजली खेतों में बकरी चरा रही थी। तभी अचानक बकरी श्री निवास के खेत में चली गईं। इसी बात पर श्री निवास, रोहित, मोहित और सुनीता देवी ये सब भी हमारे ही गांव के रहने वाले हैं। सब लाठी डंडे और फरसा लेकर आ गये। और अंजली पत्नी राजकुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसे बचाने आए नीरज के साथ भी इन सबने जाति सूचक शब्दों से गाली गलौज करते हुए बुरी तरह मारपीट की है। मारपीट में अंजली के सिर में गंभीर चोट लगने से बुरी तरह घायल हो गयी थी। जिसका आगरा में उपचार चल रहा है। आरोपित जान से मारने की धमकी देकर चले गये। वहीं राजकुमार ने बताया कि अंजली की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने एससी-एसटी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

# मेडिकल कॉलेज में मतदाता जागरूकता और स्व-गणना अभियान पर हुआ संवाद, डीएम ने युवाओं को किया प्रेरित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने स्थानीय मेडिकल कॉलेज पहुंचकर शिक्षकों (संकाय सदस्यों) और छात्र-छात्राओं के साथ मतदाता जागरूकता एवं जनगणना-2027 के स्व-गणना अभियान को लेकर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं और भावी चिकित्सकों से लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा स्व-गणना अभियान में सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता पर निर्भर करती है। मतदान लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर चुके सभी पात्र युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराना चाहिए और चुनाव के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। जिन पात्र छात्र-छात्राओं का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर के रूप में जनगणना-2027 के महत्व और स्व-गणना की प्रक्रिया की भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि देश की भावी नीतियों और विकास योजनाओं के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अपनी और अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं तथा प्राप्त यूनिक आईडी को सुरक्षित रख सकते हैं। बाद में प्रगणक के घर पहुंचने पर यह आईडी उपलब्ध कराने से आंकड़ों के मिलान और सत्यापन की प्रक्रिया आसान एवं पारदर्शी होगी।

उन्होंने बताया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की जाने वाली जानकारी गोपनीय एवं सुरक्षित रखी जाती है। इसका उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के लिए किया जाता है और इसे किसी कानूनी साक्ष्य या प्रमाण के रूप में मान्य नहीं किया जाता। इसलिए सभी नागरिकों को बिना किसी संकोच के सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं मतदाता जागरूकता और स्व-गणना अभियान का हिस्सा बनें तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी इन राष्ट्रीय अभियानों के प्रति जागरूक कर सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# जिला संयुक्त चिकित्सालय में लगा स्व-जनगणना जागरूकता शिविर, मरीजों और तीमारदारों को दी जानकारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।




राज नारायण माहेश्वरी जिला संयुक्त चिकित्सालय में मंगलवार को स्व-जनगणना 2027 के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रमेश चंद्र केशव की उपस्थिति में आयोजित शिविर में चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, मरीजों और उनके तीमारदारों को स्व-जनगणना की प्रक्रिया एवं महत्व की जानकारी दी गई।

इस दौरान चिकित्सालय के अधिकारियों, चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और कर्मचारियों के साथ अस्पताल पहुंचे मरीजों एवं तीमारदारों को डिजिटल माध्यम से स्वयं और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही स्व-गणना पहचान संख्या (एए क्क) के संबंध में भी विस्तार से बताया गया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रमेश चंद्र केशव ने कहा कि स्व-जनगणना 2027 जनगणना प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधुनिक चरण है। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इससे जनगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता, समय की बचत और आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने चिकित्सालय के सभी चिकित्सकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वयं स्व-जनगणना करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर के माध्यम से आमजन को संदेश दिया गया कि स्व-जनगणना केवल जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और भागीदारी का प्रतीक है। सभी नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-जनगणना 2027 को सफल बनाने में सहयोग करें।



# नाश्ते में पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

## वाइट ब्रेड

ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

## प्रोसेस्ड फूड

ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

## केक, कुकीज

केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

## नूडल्स

नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

## फ्रूट जूस

आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

## पकौड़े-कचौड़ी

सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

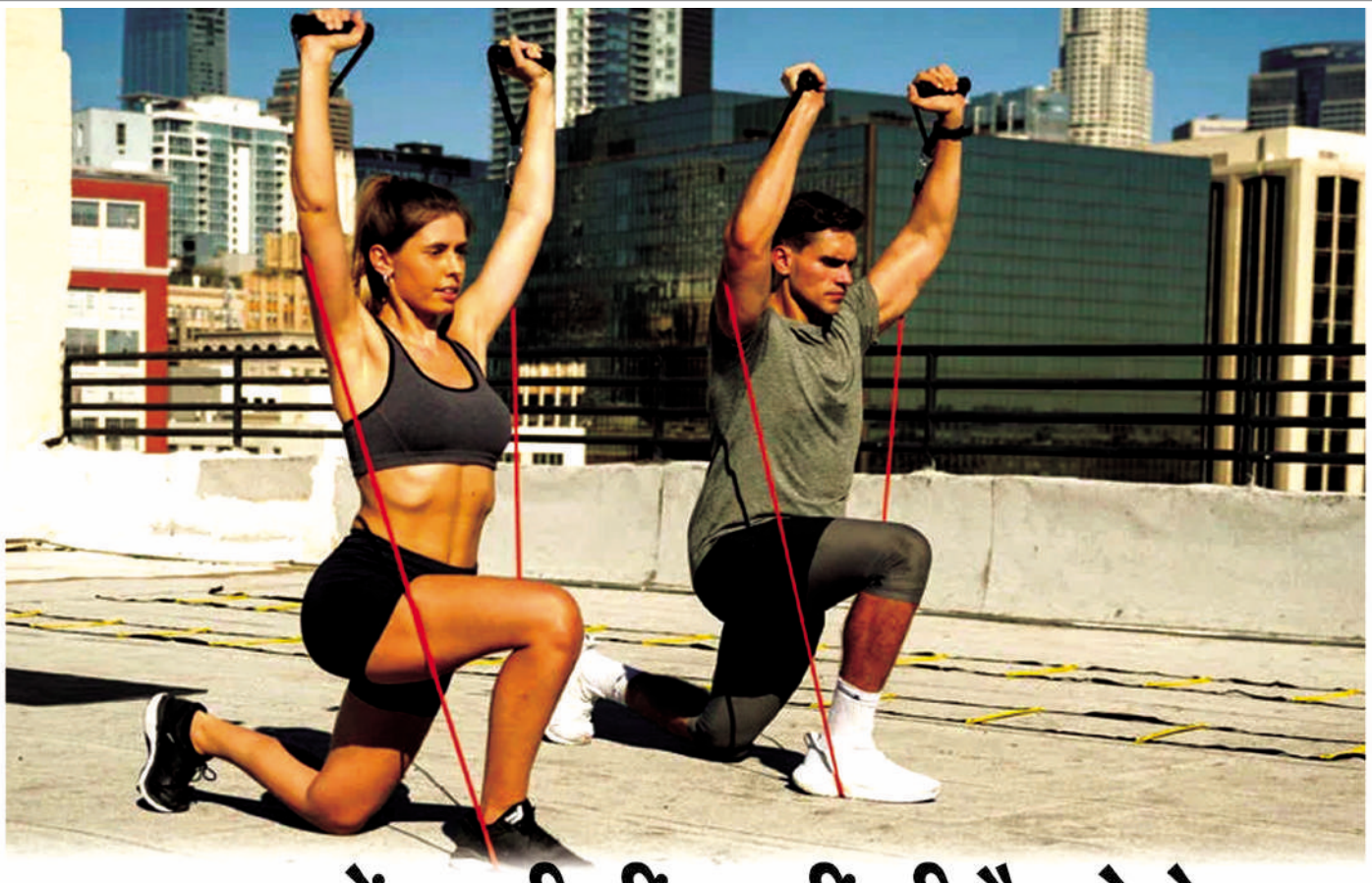

# अगर रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपको रख सकता है स्वस्थ

**एक शोध से यह बात सामने आई है कि अगर आपने रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकता है।**

पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि नींद, ऑक्सीजन का स्तर और व्यायाम हमारी मानसिक कार्य करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। टीम ने पाया कि मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम से सोचने की क्षमता में सुधार होता है, चाहे किसी व्यक्ति की नींद की स्थिति या ऑक्सीजन का स्तर कुछ भी हो। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट हेल्थ एंड एक्सरसाइज साइंस (एसएचईएस) के जो कॉस्टेलो ने कहा, हम मौजूदा शोध से जानते हैं कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर भी व्यायाम हमारे सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है लेकिन यह पहला अध्ययन है जो सुझाव देता है कि पूर्ण और आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ यह मानसिक विकास में भी सुधार करता है। उन्होंने कहा, व्यायाम और इन तनावों के बीच संबंधों के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण रूप से जुड़ते हैं और इस संदेश को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं कि व्यायाम शरीर और मस्तिष्क के लिए दवा है।

फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन में दो प्रयोग शामिल थे, प्रत्येक में 12 प्रतिभागी (कुल 24) थे। पहले में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर आंशिक नींद की कमी के प्रभाव को देखा गया, और दूसरे ने कुल नींद की कमी और हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच की। दोनों में सभी प्रतिभागियों ने 20 मिनट की साइकिलिंग के बाद मानसिक विकास प्रदर्शन में सुधार का अनुभव किया। कॉस्टेलो ने कहा, क्योंकि हम व्यायाम को एक सकारात्मक हस्तक्षेप के रूप में देख रहे थे, इसलिए हमने अनुशंसित मध्यम तीव्रता वाले एक्सरसाइज का उपयोग करने का निर्णय लिया। यदि व्यायाम अधिक लंबा या कठिन होता तो इसके नकारात्मक परिणाम बढ़ सकते हैं और यह स्वयं तनाव का कारण बन सकता था। पहले प्रयोग में व्यक्तियों को तीन दिनों में रात में केवल पांच घंटे सोने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक सुबह उन्हें आराम करने के लिए और फिर साइकिल चलाने के दौरान सात कार्य दिए गए। उन्हें कार्य पूरा करने से पहले अपनी नींद और मनोदशा का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया। परिणामों से पता चला कि कार्यों पर तीन रातों की आंशिक नींद का प्रभाव असंगत था। पेपर में कहा गया है कि इसका स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि कुछ लोग हल्की या मध्यम नींद की कमी के प्रति अधिक लचीले होते हैं। हालांकि, नींद की स्थिति की परवाह किए बिना, मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम ने सभी कार्यों में प्रदर्शन में सुधार किया। दूसरे प्रयोग में प्रतिभागियों को पूरी रात बिना नींद के गुजारनी पड़ी और फिर उन्हें विश्वविद्यालय के चरम पर्यावरण प्रयोगशालाओं में हाइपोक्सिक (ऑक्सीजन का निम्न स्तर) वातावरण में रखा गया। ऑक्सीजन का स्तर कम होने के बावजूद, व्यायाम से मानसिक विकास में सुधार जारी रहा।



# आंखों को राहत देगा गुलाब जल

**वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।**

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अतः अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।




# इन 5 फूड से करें हाई बीपी को कंट्रोल

**हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य बीमारी है, जो लंबे समय में हार्ट फेल जैसे गंभीर परिणाम देता है। इस बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि इसके होने पर कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। यह बीमारी खून की नलियों के सिकुड़ने से और गंभीर हो जाती है।**

न्यूट्रिशनिस्ट ने हाल ही में कुछ पोटेशियम युक्त फूड की लिस्ट शेयर की है जिसके सेवन से हाई बीपी की परेशानी को घर पर ही कंट्रोल किया जा सकता है। एक्सपर्ट बताती हैं कि हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ाने वाले हाई ब्लड प्रेशर को खानपान और जीवनशैली में बदलाव से ठीक किया जा सकता है।

## केला

पोटेशियम सोडियम के प्रभाव को कम करता है और खून की नलियों में तनाव को कम करता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए केले का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम मौजूद होता है।

## खजूर

खजूर में भरपूर मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम के साथ-साथ सोडियम कम मात्रा में होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम दोनों ही नलियों में खून के फ्लो को सुगम बनाने और उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

## नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो इसे हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए सेहतमंद बनाता है। लेकिन यदि आप हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसके सेवन से बचें।

## अमरनाथ का आटा

रोज चौलाई जैसे साबुत अनाज खाने से ब्लड प्रेशर के लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है। अमरनाथ का आटा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, पोटेशियम, आहार फाइबर और खनिजों का एक उत्कृष्ट स्रोत है। इसमें पेप्टाइड्स भी होते हैं जिसमें एंटीहाइपरटेन्सिव गुण होते हैं।

## मोठ दाल

मोठ दाल फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन से भरपूर होती है। यह बॉडी में उन एंजाइम को रोकने काम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए मोठ दाल फायदेमंद होता है।

# कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

**इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं आइए जानते हैं।**

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून



सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

# कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

**कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-**

## अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

## सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।



## टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

## चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

## दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

# सूर्यवंशी का वैभव: युवा बल्लेबाज के नाम विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी, दोहा।

भारतीय क्रिकेट के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बेहद कम उम्र में ऐसे कारनामे कर दिखाए हैं, जिनकी कल्पना करना भी मुश्किल है। लिस्ट ए क्रिकेट से लेकर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक उनके नाम कई बड़े रिकॉर्ड दर्ज हो चुके हैं। सबसे खास बात यह है कि उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों के रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रचा है। आइए जानते हैं वैभव सूर्यवंशी के करियर में अब तक कौन-कौन से बड़े रिकॉर्ड दर्ज हुए हैं।

भारतीय क्रिकेट को इन दिनों एक ऐसा युवा सितारा मिला है, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना ली है। उनकी बल्लेबाजी में न सिर्फ आक्रामकता नजर आती है, बल्कि बड़े से बड़े रिकॉर्ड को ध्वस्त करने की क्षमता भी दिखाई देती है। जनवरी 2024 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वैभव ने उसी साल सीनियर घरेलू क्रिकेट के व्हाइट बॉल फॉर्मेट में भी कदम रखा। इसके बाद आईपीएल में उनके बल्ले ने जमकर धमाल मचाया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। वैभव ने अब तक सबसे तेज शतक, दोहरा शतक, टी20 में सबसे कम गेंदों पर 1000 रन और एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने जैसे कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। आइए एक-एक करके उनके इन ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स के बारे में जानते हैं।

### 1. लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक और दोहरा शतक

वैभव सूर्यवंशी ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के खिलाफ अपनी तूफानी बल्लेबाजी से पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। उन्होंने महज 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जबकि 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़ दिया। वैभव 53 गेंदों में 204 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 28 छक्के और सात चौके शामिल रहे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 250 रन का लक्ष्य महज 14.2 ओवर में हासिल कर लिया। इस पारी के साथ ही वैभव लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक, शतक, 150 रन और दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

### 2. पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे युवा कप्तान

वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ बल्ले से ही नहीं, बल्कि कप्तानी में भी इतिहास रच दिया। 15 साल और 232 दिन की उम्र में वह पुरुष टी20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बन गए। उन्होंने 2026-27 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार की कप्तानी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इंदौर में सौराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले में मैदान पर उतरते ही उन्होंने यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी।




### 3. पुरुष टी20 और आईपीएल में सबसे युवा अर्धशतकवीर और शतकवीर

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी ने अपने बल्ले से ऐसा तूफान मचाया कि कई बड़े रिकॉर्ड टूट गए। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने महज 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक भी जड़ दिया। यह आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक था। इस उपलब्धि के साथ 14 साल और 32 दिन की उम्र में वैभव पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक और शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। वह आईपीएल में भी सबसे कम उम्र में अर्धशतक और शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

### 4. लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे कम उम्र के शतकवीर

वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ बिहार की ओर से खेलते हुए उन्होंने महज 84 गेंदों में 190 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वहीं 59 गेंदों में 150 रन का आंकड़ा छू लिया। यह पुरुष लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने का रिकॉर्ड भी था। 14 साल और 272 दिन की उम्र में शतक लगाकर वैभव लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मुकाबले में बिहार ने छह विकेट के नुकसान पर 574 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

### 5. टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत उनका लंबे-लंबे छक्के लगाने का अंदाज है। महज 15 साल की उम्र में वह टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक छक्का लगाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे करने के लिए सिर्फ 29 पारियां और 514 गेंदें खेलीं। इस तरह वह सबसे कम गेंदों और सबसे कम पारियों में 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। पारियों के मामले में ऑस्ट्रिया के करणबीर सिंह 33 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं गेंदों के मामले में बेल्जियम के साबेर जाखिल ने 699 गेंदों में 100 छक्के लगाए थे।

### 6. लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक

वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर में एक और बड़ा रिकॉर्ड तब बनाया, जब उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में महज 11 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया। जून 2026 में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई सीरीज के फाइनल मुकाबले में वैभव ने 29 गेंदों में 94 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह किसी लिस्ट ए मुकाबले में सबसे तेज अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने 21 साल पुराने रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। खास बात यह रही कि यह पारी भारत ए के लिए खेलते हुए एक अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर उनकी आखिरी पारी थी।

### 7. टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोला। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने महज 37 गेंदों में 103 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने अपने टी20 करियर के 1000 रन भी पूरे कर लिए। खास बात यह रही कि वैभव ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सिर्फ 473 गेंदों का सामना किया। इस तरह वह टी20 क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल ओवेन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 533 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके अलावा वैभव टी20 क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बने। उनसे पहले किसी भी खिलाड़ी ने 18 साल की उम्र से पहले यह उपलब्धि हासिल नहीं की थी।

### 8. आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड

टी20 क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने के बाद वैभव ने आईपीएल में भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के क्वालीफायर-2 मुकाबले में उन्होंने 47 गेंदों में 96 रन की शानदार पारी खेली। इसी दौरान उन्होंने आईपीएल में अपने 1000 रन पूरे कर लिए। वैभव ने यह उपलब्धि हासिल करने के लिए सिर्फ 440 गेंदें खेलीं। इससे पहले आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम था। उन्होंने 545 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया था।

### 9. एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में छक्कों की ऐसी बरसात की कि क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड भी टूट गया। उन्होंने पूरे सीजन में 327 गेंदों का सामना करते हुए 72 छक्के लगाए। इसके साथ ही वह किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम था। गेल ने आईपीएल 2012 में 456 गेंदों का सामना करते हुए 59 छक्के लगाए थे। वैभव ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप भी अपने नाम की।

### 10. पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में धमाल मचाने के बाद वैभव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ी। इंग्लैंड दौरे पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शुरूआत अच्छी नहीं रहने के बाद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार वापसी की। इस दौरान उन्होंने महज 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया। 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर वैभव पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

## भूख लगने पर कैसे आसमान सिर पर उठा लेती हैं शरवरी वाघ, पिता ने मिमिक्री कर खोला राज



अभिनेत्री शरवरी वाघ पर्दे पर भले ही अपने शानदार अंदाज और खूबसूरती से लोगों का दिल जीतती हों, लेकिन घर में भूख लगने पर उनका मिजाज पूरी तरह बदल जाता है। अगर उन्हें समय पर खाना न मिले, तो वह गुस्से में आ जाती हैं और घर में खूब शोर मचाती हैं। इसका खुलासा खुद शरवरी के माता-पिता ने माधुरी दीक्षित के शो 'कौन होणार करोड़पति' में किया। शो में शरवरी के पिता ने तो उनकी भूख लगने पर खाना मांगने के अंदाज की नकल भी उतारी, जिसे देखकर माधुरी अपनी हँसी नहीं रोक पाईं। दरअसल, शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के प्रमोशन में जुटी हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी। इसी सिलसिले में वह अपने माता-पिता के साथ माधुरी दीक्षित के क्विज शो 'कौन होणार करोड़पति' में पहुंचीं। यहां बातचीत के दौरान माधुरी ने शरवरी से पूछा कि क्या उन्हें गुस्सा आता है और ऐसी कौन-सी बात है, जिससे उनका पारा चढ़ जाता है।

इस पर शरवरी ने बताया कि अगर उन्हें समय पर खाना न मिले, तो वह भूख और गुस्से, दोनों में आ जाती हैं। उन्होंने अपनी इस आदत के लिए 'हैंग्री' शब्द का इस्तेमाल किया।

शरवरी ने बताया कि खाना समय पर न मिलने पर उनके साथ भी ऐसा ही होता है।

इसके बाद माधुरी ने शो में मौजूद शरवरी की मां से पूछा कि जब उनकी बेटी को भूख लगती है, तो घर में उसका क्या अंदाज होता है। इस पर उनकी मां ने हंसते हुए बताया, "घर में खूब चिल्लाना होता है।"

इस पर माधुरी ने मजाक में पूछा कि क्या शरवरी गुस्से में पूरा घर सिर पर उठा लेती हैं? इस पर उनकी मां ने हां में जवाब दिया।

इस बीच शरवरी के पिता ने उनकी नकल उतारते हुए कहा, 'बंसी, खाना लाओ!' पिता को अपनी मिमिक्री करते देख शरवरी उन्हें रोकने लगीं। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'पापा, प्लीज ऐसा मत कीजिए।'

शरवरी के पिता का यह अंदाज देखकर माधुरी भी हंस पड़ीं। उन्होंने मजाक में कहा, "बंसी तो शरवरी से काफी डरता होगा।"

इस बातचीत के दौरान माधुरी ने शरवरी से उनकी डाइट के बारे में भी पूछा। इस पर अभिनेत्री ने कहा, "मैं ज्यादातर समय अपनी डाइट का ध्यान रखती हूं, लेकिन खुद को पसंदीदा खाना खाने से पूरी तरह नहीं रोक पाती हूं। मैं 80 प्रतिशत समय डाइट फॉलो करती हूं, जबकि बाकी 20 प्रतिशत समय चीट मील के लिए रखती हूं।" उन्होंने कहा, "शूटिंग के दौरान मैं अपनी डाइट को लेकर काफी सख्त रहती हूं, लेकिन जब काम से ब्रेक मिलता है, तो खाने-पीने में ज्यादा पाबंदी नहीं रखती हूं और अपनी पसंद की हर चीज खाती हूं।"

## श्रुति: 'मैं कंफर्टेबल नहीं..', 'पेद्दी' के विवाद पर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

'पेड्डी' की रिलीज के बाद से फिल्म में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के सीन फिल्माये जाने पर काफी विवाद हुआ था। इसी फिल्म के एक डांस नंबर श्रुति हासन, राम चरण और जाह्नवी कपूर थे। अब कमल हासन की बेटी ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म में विशेष भूमिका निभाने के लिए रजामंद क्यों हुईं।

### एक्ट्रेस ने असहजता पर क्या कहा?

अभिनेत्री श्रुति हासन ने डांस और उसमें खुद को फिल्माये जाने पर गलाटा प्लस से बात की। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा यह सवाल पूछा है कि फिल्मों में विशेष डांस सीन्स की क्या जरूरत होती है। मुझे नृत्य करना पसंद है, मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं। मुझे सजने-संवरने में भी आनंद आता है। और यही मेरा नजरिया है। विशेष सीन्स के प्रति मेरा दृष्टिकोण मेरे लिए बहुत ही आसान रहा है। मैं कभी भी किसी भी रूप में किसी की चापलूसी करने वाली नहीं रही हूं। इसलिए, जब मुझे किसी चीज से असहजता होती है, तो मैं कह देती हूं कि मैं इसे नहीं पहनूंगी। अगर मुझे असहजता होती है, तो मैं वह नहीं करूंगी। इस बारे में मेरी बहस भी हुई है। इस वजह से मेरी आलोचना भी हुई है। मगर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

### एक्ट्रेस महिलाओं के चित्रण पर क्या कहा?

अपनी बातचीत में आगे श्रुति हासन ने कहा, "मैं इस विषय पर हो रही चर्चा को समझती हूं। लेकिन सच कहूं तो, मेरा नजरिया यह है। मुझे डांस करने में आता है, मुझे कोरियोग्राफी करने में मजा आता है, मुझे बोल्ड दिखने में मजा आता है। यह किसी तरह की चापलूसी भरी नजर से नहीं है। क्या यह सिर्फ आइटम सॉन्ग में ही होता है?

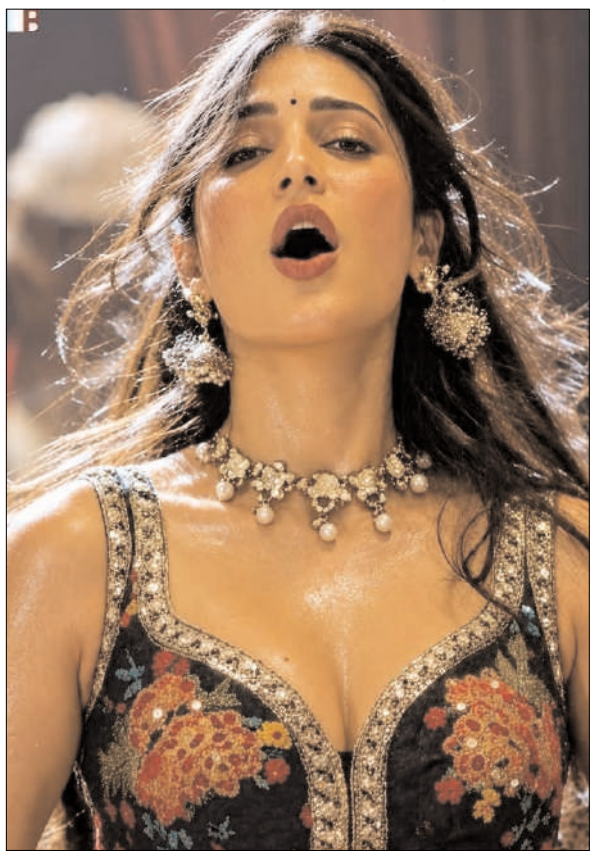

मेरा मतलब है, हम कई तरह से चापलूसी कर सकते हैं। सिर्फ आइटम सॉन्ग में छोटे कपड़े पहनने से ही नहीं। हम आजकल एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर तरफ चापलूसी ही है। तो आप अपनी पसंद के अनुसार चापलूसी करें या न करें।"

### जान्हवी ने 'पेद्दी' विवाद पर क्या कहा?

बीते दिनों अभिनेत्री जान्हवी कपूर 'कॉफी विद करण' में महमान बनकर पहुंची थीं। वहां उन्होंने 'पेद्दी' विवाद पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, "इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को देखकर मेरी मन को गहरा दुख होता है। यह शर्मिंदगी मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और सतर्क हो सकती थी? बिल्कुल हां। क्या इसने महिलाओं को गलत तरह दिखाया? हां। लेकिन मैं सिर्फ इतना कर सकती हूं कि यह ध्यान रखूंगी कि ऐसा दोबारा न हो।"

## कसरत से बचने वालों को श्वेता तिवारी की सलाह

अभिनेत्री श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग हैं। 46 वर्षीय अभिनेत्री इसके लिए नियमित रूप से वर्कआउट करती हैं। जिम में जाकर कसरत करती हैं। दूसरों को भी उन्होंने वर्कआउट करने की प्रेरणा देते हुए पोस्ट शेयर किया है।

### जिम में कराया फोटोशूट

श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कुछ फोटोज साझा किए हैं। श्वेता जिम में नजर आ रही हैं। वर्कआउट के साथ-साथ भरपूर मस्ती कर रही हैं। अपने इन कीमती पलों को उन्होंने कैमरे में कैद कर लिया।

### बोलीं- मुस्कुराइए...

श्वेता ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'ठीक है। हर दिन वर्कआउट करना मजेदार नहीं होता। कभी-कभी आपको यह पसंद आता है। कभी-कभी आप बस खुद को इसके लिए मजबूर कर लेते हैं। लेकिन यह जरूरी है। इसलिए मुस्कुराएं, ऐसा दिखाएं कि आपको इसमें मजा आ रहा है। बस आप वर्कआउट कर लें'।

### फैंस बोले- आपके लिए उम्र बस नंबर है

अभिनेत्री के इस पोस्ट पर नेटिजंस के रिएक्शंस आ रहे हैं। यूजर्स उनकी फिटनेस की दिल खोलकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'उम्र आपके लिए महज एक संख्या है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप जिंदगी को जिंदादिली के साथ अपनी शर्तों पर जी रही हैं'। एक यूजर ने लिखा, 'आप लाजवाब हो। दूसरों को बहुत अच्छे से मोटिवेट करती हैं'।



## डीपफेक के खिलाफ पेरिस हिल्टन ने अमेरिकी कांग्रेस से की सख्त कानून की मांग

रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाई जा रही अश्लील डीपफेक तस्वीरों और वीडियो के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के रिपब्लिकन नेताओं से 'डिफायंस एक्ट' को जल्द से जल्द सदन में पास कराने की अपील की है। इस दौरान उन्होंने खुद के साथ हुई ऑनलाइन शोषण की घटना का भी जिक्र किया। मीडिया से बात करते हुए पेरिस ने बताया कि अनजान लोगों ने एआई की मदद से उनकी 1 लाख से ज्यादा अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाए हैं। इनमें उन्हें बेहद आपत्तिजनक अंदाज में दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला अब भी जारी है और हर दिन ऐसी नई तस्वीरें और वीडियो बनाए जा रहे हैं। पेरिस ने कहा, "10 महीने पहले मैं कैपिटल हिल आई थी और दुनिया को बताया था कि बिना सहमति के किसी के शरीर को इस तरह इंटरनेट पर दिखाए जाने का दर्द कैसा होता है। मैंने कांग्रेस से इस पर कार्रवाई करने की अपील की थी। कुछ लोगों को लगा होगा कि मेरी लड़ाई वहीं खत्म हो गई लेकिन जब मैं किसी पीड़ित से वादा करती हूं, तो उसे निभाती हूं।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं इस कानून पर हस्ताक्षर होने तक बार-बार यहां आती रहूंगी क्योंकि यह शोषण रुका नहीं है और न ही मेरी लड़ाई रुकेगी। आज 5 करोड़ से ज्यादा लोग अश्लील डीपफेक के शिकार हो चुके हैं। इनमें पड़ोसी, स्कूल टीचर, नर्स, कारोबारी, महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं। ये सभी अपने परिवार, सपनों और जिंदगी के साथ आम लोगों की तरह जी रहे हैं, लेकिन बिना सहमति बनाई गई ऐसी तस्वीरें उनकी पूरी जिंदगी पर असर डाल सकती हैं।" उन्होंने कहा, "एक स्टडी के मुताबिक, 8 में से एक युवा ऐसे किसी क्लासमेट को जानता है जो डीपफेक का शिकार हुआ है। अमेरिका के लगभग हर क्लासरूम में कोई न कोई बच्चा इस समस्या से प्रभावित हो सकता है। मैंने इस मुद्दे पर अपनी टीम के साथ अमेरिकी कांग्रेस की महिला सांसदों को लेकर भी एक स्टडी की। इसमें सामने आया कि 119वीं कांग्रेस में शामिल 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें इंटरनेट पर मौजूद हैं। आधे से ज्यादा महिला सांसद भी इस तरह के ऑनलाइन शोषण का सामना कर रही हैं।"

उन्होंने कहा, "महिलाओं के शरीर को लंबे समय से हमें शर्मिंदा करने, चुप कराने और ताकतवर पदों तक पहुंचने से रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने शोषण करने वालों को एक नया हथियार दे दिया है। इसके लिए अब किसी महिला को छूने, उससे मिलने या उसे जानने की भी जरूरत नहीं है। अब किसी के चेहरे और शरीर का इस्तेमाल करके अश्लील तस्वीरें बनाना बेहद आसान हो गया है। इससे महिलाओं की छवि खराब की जा सकती है, उनका करियर बर्बाद किया जा सकता है और उन्हें डराकर चुप कराया जा सकता है।"

उन्होंने बताया, "मुझे ऐसी लड़कियों के बारे में पता चला है, जो इस डर से स्कूल जाने से घबरा रही हैं। कई महिलाओं का करियर प्रभावित हुआ है और कुछ परिवारों ने इस तरह के शोषण के बाद अपने बच्चों को आत्महत्या के कारण खो दिया है। किसी बच्चे को क्लासरूम में जाने से डरना नहीं चाहिए। किसी महिला को अपनी इज्जत और अपने सपनों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। किसी परिवार को इस रोकी जा सकने वाली समस्या के कारण अपना बच्चा नहीं खोना चाहिए।"

पेरिस ने कहा, "भले ही ये तस्वीरें असली न हों, लेकिन इनसे मिलने वाला डर और दर्द बिल्कुल असली है। बिना सहमति किसी की तस्वीरों का इस तरह इस्तेमाल करना उसकी निजता और गरिमा का उल्लंघन है। नई तकनीक के नाम पर महिलाओं और बच्चों को इस तरह के शोषण का शिकार नहीं बनाया जा सकता।"

उन्होंने 'डिफायंस एक्ट' का समर्थन करने वाले सांसदों का आभार जताते हुए कहा कि यह कानून पीड़ितों को उन लोगों के खिलाफ सिविल कोर्ट में मुकदमा करने का अधिकार देगा, जो बिना सहमति अश्लील डीपफेक तस्वीरें और वीडियो बनाते या फैलाते हैं। पेरिस ने बताया, "अमेरिकी सीनेट जनवरी में इस विधेयक को सर्वसम्मति से पास कर चुकी है। अब इसे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी मिलना बाकी है। अगर साल खत्म होने से पहले यह कानून पास नहीं हुआ, तो अब तक हुई सारी तरक्की बेकार हो सकती है और इस प्रक्रिया को दोबारा शुरू करना पड़ सकता है।"

